(099 4

গৌড়ীয ব্যাকরণ।

हिन्द्रकारलाख्य लाधाकप्रशानग्रिन दश्य व्यापन

পাচনালার ব্যবহারার্থ

বাজ্ঞী রামমোহন রায়ক্ত গুছের সংক্রে

্ স্প্রতি 🕽



मुजार्भुत्र अयुज्याहम व्यक्त वित्र भेकायत्

মুদ্যাহিত হইব :

MU >5 84 1

সূচীপত ।

পুকরণ	পৃষ্ঠ	প^ ক্লি
वर्ग्विधान	\$	•
বর্ণাচ্চারণ স্থান	* ,	3
পদ্ধিবর ৷	8	• 3
বিশেষ্য পদের বিভাগ	· 8	>*
বিশেষণ পদের বিভাগ	a	•
नारमञ्ज क्राविवद्ग	9	7
লামের বচন ও ৰূপ	>0	1.55
কর্তুপদের ৰূপ	7.5	. 30
কর্মপদের ৰূপ	\$3	
অধিকরণ পদের ৰূপ	>8	3 ,
नमुक्त शः पद्म बाश	\$8	38
ৰূপের বিশেষ বিবেচনা	\$\$	+
िल्य िष्य	3 9	**2
নিয়মাতিকান্ত লিঙ্গ	56	\ *•
ত,দ্বিত	\$5	3

সূচীপত্র।

পুকরণ	পৃষ্ঠ	প ^ক্রি
र्गिवधान	>	৬
বর্ণোচ্চারণ স্থান	* ,	3
श्रम विवत् ।	8	5
বিশেষ্য পদের বিভাগ	8	>*
বিশেষণ পদের বিভাগ	û	ঙ
নামের ক্রপবিবরণ	٩	9
নামের বচন ও ৰূপ	\$10	*.4
कर्न् शरदत बभ	25	26
कर्षभए त बन	2.0	·
অধিকরণ প্দের ৰূপ	\$8 ,	\$
नम्स भागतं कथ	>8	58 .
ৰূপের বিশেষ বিবেচনা	, a	·b···
লিঙ্গবিষয়	> %	*2 .
নিয়মাতিকান লিক	3 6	**
ত্ৰিত	>>	\$

্- পুকরণ	હ્યું છે	পণ্ডি
অ তাতকান	e b	Q.
ভবিষ্যৎকাল	e b	>
ৰংযোজনপ্ৰকাৰ, বৰ্ত্তমানকাল	û b	\$2
্ ষ তীত কাল	C.A.	>>
নিয়োজনপ্রকার, বর্ত্যানকাল	ĠĎ	>
स्वि श् का न	• 65	8
ৰ্শ্যাচনপ্ৰকার, বৰ্ত্মানকাল	۵۵	**
ভবিষ্যংকল	¢3	\$
इड् य	£5	22
কত্নিষ্ঠ ব্ৰুমান	c 9	>0
ভ ্ৰাচ্	&D	>e
मञ्जाव जिस्	. 6,3	>9
বা ওনজিয়া, নিধারণপু কার, বর্তুমা	नकांन ७०	\$
্ষতীতকাল	% •	>=
ভবিষ্যৎকাল	٧.	20
লংযোজনপ্রকার, বর্তমানকাল	% •	39
্ শতী তকাল	45	,)
नियाजनथकात्र, वर्शनाकाच	∜8	3
ভ िन्यु ८क । स	% >	Q .

পুকরণ	शृष्ठ	ল ুক্তি
সংযাচনপ্রকার, বর্ত্মানকাল	<i>\$</i> >	>
ভ বিষ্য ংকাল	દ્ર	>>
চত্ ম	₹\$>	₹
কতৃ নিষ্ঠবৰ্ডনাৰ	৬ ১	76
ख ्ट	<i>\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\</i>	26.
স্ভ;ব্যক্তিয়া	'93	2.0
ন ংযোগক্রিয়া	৬ ২	8
নিধারণপ্রকার, বর্ত্মানকাল	শুহ	39
অ তীতকাল	5 0,	>
অ ভাবার্থ	ঙ৯	24
বৰ্ণানকাল	やわ	71
কৰ্মাণিবাচ্য	93 .	. 55
নিযোজনপ্রকার, বর্তমান	92	b
ভবিষ্	१ २	
চতুম, কভূ নিষ্ঠবৰ্ত্তমান	92	3
क्ट्रा ह	43	35
স ন্তাব্যক্রিয়	45	36
निकर	98	3
এম্ প্রকর্ণ	4.0	3

भूकत ्	পৃষ্ঠ	পণ ক্রি
নিয়নের অভিক্র	90	22
ক্রিয়াপেক ক্রিয়াত্মকবিশেষণ	99	>0
বিশেষণীয় বিশেষণ	₩ ₹.	>
সম্ম ীয়বিশেষণ	54	5
শশুক্ত স্থার্থ বিশেষ	2 2	3
শন্তভাব বিশেষণ	8 &	>
बैकि इस्म	৯৬	3

গৌডীয় ব্যাকরণ।

.

श्रथमाधाय।

বৰ্ বিধান ৷

ব্যাকরণ ডাহাকে বলা যায় যাহার জ্ঞানদারা উচ্চারণ শুদ্ধি, লিপি শুদ্ধি, অর্থাৎ ষথা যোগ্যস্থানে পদ বিন্যানের ক্ষমতা হয়!

ব্যাকরণ দুই প্রকারে বিভক্ত হইয়াছে, এক বর্ণ দ্বিভীয়

शिष्ण विश्व कर्षा वांत्र त्य वर्ष है श्री क्षेत्र कर्ष वांत्र अञ्च कर्ष वांत्र कर्म वांत्र वांत्र कर्म वांत्र वांत्र कर्म वांत्र वा

উভযের উচ্চারণ ছান।

ण जा इक थ श १ ७ वह का स जा का करे हहेए उक्त ति इस । है के ए इस व व्या मा स वहें का वर्ण त उक्त ति होता है है ए इस व व्या मा स वहें का वर्ण त उक्त विकास है है एक, का का च मा स न मा बहें का वर्ण ति का का का विकास का वर्ण ति का व

এ ঐ ইহার উচ্চারণ কঠ তালু, ও ও ইহার উক্তারণ কঠ ওঠ, অন্তঃশ্ব দল্ল ওঠ উভয় স্থান হইতে উচ্চারিত ইয়।

পৌড়ীয় ভাষাতে বিশেষ এই যে ও সানুনাসিক উচ্চারিভ হয় কিন্তু অন্য নর্পের সংযোগে অনুষারের ন্যায়
উচ্চারণ হইয়া থাকে যেখন লক্ষা গলা ইত্যাদি। এ
আনুনাসিক কিন্তু অনু বর্ণযোগে নকার পায় উচ্চারণ
ইয়া যেমন সঞ্চয় বরক ইড্যাদি। আরু জকারের নীচে
সংযুক্ত হইলে "গাঁড়" ই হার ন্যায় উচ্চারণ হয় যেমন অজ্ঞ যুক্ত ইলৈ "গাঁড়" ই হার ন্যায় উচ্চারণ হয় যেমন অজ্ঞ যুক্ত ইলৈ "গাঁড়" ই হার ন্যায় উচ্চারণ হয় যেমন অজ্ঞ যুক্ত ইলৈ "গাঁড়" ই হার ন্যায় উচ্চারণ হয় যেমন অজ্ঞ যুক্ত ইলৈ ও চ গুখন পানের মধ্যে কিয়া পানের অজ্ঞ আছ্ল আয়াঘাচ ইড্যাদি কিন্তু পানের আরিতে লাখবা হল বর্ণজ্ঞা সংযুক্ত হইলো আভাবিক উচ্চারণ হয় যেমন ডাল্ हात ७ ड्रु**चाह्य। य शरमत चारि** थाकित क्रकारतंत्र नध्यस्य **छेक्राइन इम्न किस्न भरमत मरध**्र ज्ययेन चरस थाकित्न बा जाविक छेकात्रण तार्थ विरम्भ थहे य विष इटेरल "का" ইহার ন্যায় উচ্চারণ হয় যেমন যম্না ময়ূর বিষয় ন্যায্য। কিন্তু হকারে সংযুক্ত হইলে "ঝ্য" ইহার তুল্য উচ্চারণ হয় যেমন উছ। অস্তঃস্থ ব ও বর্গীয় ব উভয়ের লিখনে ও উচ্চা রণে প্রভেদ নাই কিন্তু যখন বণান্তরের সহিত সংযুক্ত হয় তখন অন্তঃক্র বি কারের ন্যায় উচ্চারণ রাখে যেমন দ্বার, किस त, श, म,हेशंद्र পरत मर्युक हहेरल वर्शीय ' व' कारवत ন্যায় উক্তারণ হয় যেমন বর্ষর সূখান্ অয়।। শ য স এই তিন বর্ণ গৌড়ীয় ভাষায় এক পুকারে উচ্চারিত হয়: কিন্তু '**শ**' যথন র ঋ এই দু**ই**য়ের পুথ্নে সংযুক্ত হয় তথন प्रसामा किला है विषय स्थान स्थान । प्रान । प्रान । प्रान । थ न द भ क्ष हेशद भूथा निश्युक्त इट्टल जाभनांद्र मञ्जा উচ্চারণ রাথিবেক যেমন স্তব স্থান স্থান সূক্ লিপ্সা সৃষ্টি। क, क्य अहे मूहे वर्णत याल इय उपालि "था" हेहाद শ্যার উচ্চারণ রাখে।

গৌড়ীয় ভাষায় সংযুক্ত ও কোনং বিশেষণ ভিঃ অকারান্ত তাবং শব্দ হলন্তের ন্যায় উচ্চারণ করে যেমন সট্ শব্দ ছোট বড়।

विजीशाय गंसी

भव विश्वन ।

क्षंपनं भितिष्ट्रणः। ১ भुकत्वेगः।

वर्ष (दक्षिक मक्दक शर कर। यात्र ।

शह, विरामक, विरामक बराग मूहे गुकारत विख्छ हता।
हव शरमत वार्य जना मनार्थत ज्योग मा इस जाहारक
विरामक शह कहा यात्र, जात यादात वर्ष व्याप्त मनार्थत
व्यारमिक हत्र जाहारक विरामक शह कहि स्यान स्वतस्य
व्याहरण्डम, वृद्धिमान् स्वतस्य हैकाहि इस्त स्वतस्य भरमत
व्याद्य व्याहरण शृक्षिक हरेस्टर्स, व्याद्य वर्ष स्वतः
विरामक व्याह याहरण्डम अ वृद्धिमान् भरमत वर्ष स्वतः
विरामक व्याह याहरण्डम अ वृद्धिमान् भरमत वर्ष स्वतः

विरमेश अधेवी मात्र शहरत विकाश । 💛 💛

বিশেষ্যপদ চারিপুকারে বিভক্ত হয় বঙ্গালাধারণ ক্ষান্তান বাদাল্যদালা ক্ষান্তা সংক্ষান্তা।

প্রক্রাতীয় সমূহ মার্ক্ত নামারণ নংক। ক্রহা বার ক্ষেত্র নন্তলার । নানামাতীর বন্ধ্য বাচক নককে নামান্য সংজ্ঞা কতা যায় যেমন পশু বৃক্ষ। যে নাম ব্যক্তি অথবা বস্তুর পূজি অসাধারণকাপ নির্ধারিত হয় তাহা কে ন্যক্তিন জ্ঞা কহি যেমন দেবদত, বারাণনী। পৃতিনিধি অপে দর্ম পদার্থের বাচক যেশক তাহদক পৃতি সংজ্ঞা কহা যায় থেমন সে, এ, ভূমি, আনি, ইত্যানি !

िरिक्शिस शास्त्र रिक्शित

গুণাক্ত, ক্রিয়াথ্যক, ক্রিয়াণেক্রকিয়াপ্তক, বিশেষণীয় বিশেবণ, স্মূজীয়বিশেবণ, সমুচ্চায়ার্থবিশেষণ, অন্তর্ভাব বিশেষণ, এই মাত পুকারে বিশেষণ শাদ বিভক্ত হয় ৷ কো সকল বিশেষণ পদ কাল সম্বন্ধ ব্যতিরেকে বস্তর গুণ অথবা অবস্থাকে পুতিপদ করে সে গুৰাজক বিবেশন হয় খেনৰ ভাল মন্দ জরাপী, ডুক ইড্যাদি, এফলে কোন কালা বংশধের পুতীতি নাহইয়ানতর ওল যে ভাল অথবা মন্দ ও জরা অথবা গাড়িত অবস্থা তাহা পুতিপান হটল ে যাধারা ভূত, ভবিষ্যং, বৰ্তমান কাল সম্বালত অবস্থাকে বোধ করার ভাহাকে ক্রিয়াপ্তক বিশেষণ কহি বেনন আমি পাঠ করিয়াজি, করিব, করিবেচছি এই উদাহরণে ভূতকালে বৰ্ত্তমানকালে ও ভবিষ্যৎকালে কৰ্ত্তা যে আমি আমার -পাঠাবন্ধর পুতীতি ছইতেছে। যে দকল বিশেষণ পেদ ক্রিয়াগত কাজের সাথেক ধ্ট্রা ব্রুর কাল

গৌডীয় ব্যাকরণ।

ব**িজ্ঞান্ত অবস্থাকে ·ক**হে তাহাকে ক্রিয়াপেকক্রিয়াস্ক বিশেষণ কহাযায় যেনন ভিনি পাঠ করত বাহিরে গেলেন, এণ্টাত্তে কর্তার পাঠ সমাদ কালীন বাহির গমনাবস্থা বোধ হর অথচ গাঠকিয়া, প্রনক্রিয়ার কাল সাপেক हिन। त्व मक्क विरम्धन नाम जिल्ला किन्न। खनाखक विरम **पंदुरात्र व्यवद्यारक कृट्ह (म मकुल श्रम विस्थिय**ीय विस्थायन ্হয় ধ্যমন ভিনি শীঘু ধান,তিনি অভ্যন্ত মৃদ লম,এখলে যান **ুক্তিবার** শীখুতা ও ওণাত্মক বিশেষণ যে মৃদ ত হার ২ তি बैया श्रेडीठ ब्रेटेल । (य मकल मंबरक श्राप्त श्रूप किम्। পারে নিয়ম মতে রাখিলে নেই পাদের সহিত জানা শাকের मुश्च विथि क्यांग्र मिष्ट गकल मान्यक भन्नकां प्रविद्रमान्य कहि (यसम तम सम्ब्र इहै एक श्राम व नोत्का ' इह एक मान · **মারা গেলেন এই জিমার সহিত নগরে**র ও কর্তার শর্মা **ह्रवाभ बहैल। या मकल भारत वांका इ**एएव मरका थाकिया औ ধুকি বাক্ষ্যের পরস্পার সমৃত্য বোধ করার অথবা দুই শংকর **অংগ্য থা**কিরা এক জিয়াতে অনুর বোধক হয় কিন্ত কোন **मार्क्य क्**रिश्न विशर्यात्र करत्रना दनहे जकन भामारक नम् कः শ্বাৰ্থ বিশেষণ কহি যেমন ডিমি আমাকে অগ্নহিডে চাৰি-इयान किन्छ जानि चीकांत्र कश्चिकांन ना। कृति अन- जानि क्ष्मात्रः वस्ति, व छेरांश्तकः 'क्षित्र' शक्यात्रा नाकावरमञ्

পরস্পার সম্বন্ধ নোধ ছইল আর এবং শৈক্ষারা মাইব ক্রিয়াতে তোনার ও আমার উভয়ের অনুমুপুতীতি হইল। যাহা অন্য শক্ষের সংযোগ ব্যতিরেকেও অস্তঃকরণের ভাবকে ব্যায় তাহাকে অন্তর্ভাব বিশেষণ কহা হার বেমন হা, আমি কি কর্মকরিলাম এ ছলে 'হা' শক্ষারা অন্তঃ-করণের খেদকে বুঝাইল।

দিভীয় পুকরণ।

नारमज क्ल विवज्ञन।

ক্রিয়ার সহিত ব্যক্তির সহন্তকে ও পদার্থের সহিত্ত পদার্থের সংক্রকে যে বিশেষ ২ আকারের পরিলাম ছার ব্যক্ত করাযার ভাঙাকে নামের কথা কথি করিবাস ছারা মারিভেছেন, রামের ঘর। কখনবাপদের সমবিন্যাস ছারা পরিণাম বিনা রূপের উদ্বোধ করার। যেমন বালক ঘর ভালিলেক এছলে কর্তু পদ ও কর্মপদ উভয়ের কোন বিশেষ চিক্ক নাই কিন্তু বালক পদের পূর্মবিন্যাস ও ভালিলেক এই ক্রিয়ার বালক কর্ত্ক নিম্পান্ত ইহার ছারা বালক পদ ক্রি আর ঘর পদ ক্রিয়ার নৈক্টা ও কিয়ার ব্যাপ্ত পুদুক্ত কর্মা হইল। কখন বা সম্বন্ধীয় বিশেশ মাকে পরে মানিবার হার। প্রাশ কর। যায়-। যেমন । মর হইতে গেলেন।

नाम नामित श्रीकांत कारणत बाता श्रीकीय काराएक वर्ष निश्चि एम यथा, कर्छा, कर्म, व्यक्षितत्वन, गञ्चका

ৰাহার প্রাধান্যৰূপে ক্রিয়ার পহিত্য অনুমূহ হয় তাহাতে क्छी कहि स्थमन (एवएड जांत्ररा वित्रर्जन, ध्वारक) वित-**लिन क्रियाटि (एवर्लिन शुर्भानाकाश-अन्य हरेल)** কর্ম তাছাকে বলা যায় যাহাতে কর্ত্রার ক্রিয়া সাক্ষাং 'आयेद। शत्रम्भताम् वृतिश्च इम्र यगम (एदम्ह यञ्जनहरू भातित्वन, जिनि (भवमखरक होका मिरजाइन। अहे पूर्व वारकात शुथम बारका भातिस्मन । এই कियान प्रक्रमण्ड ক্রিকাৎ বরাপ্ত হইল। আর ছিতীয় বাক্যে দিতেছেন केर किया (एउएएक श्रहण्याम अ होकाट भाकार माश्र इरेना मान कहन रेगानि कियाएं भीन यूना मुद्दे भुकात कम रहेबा थाटक या राज्य भवन्यता ह किया है আঙি হয় তাহাকে গৌণ, যাহাতে সাকাৎ ক্রিয়ার ব্যান্তি अहिक क्षांशांक सथा कर्ष कहि (यमन एएनएड बळ एडटन क्ष कथा कश्तिमा याशास्त्र जिल्लाक भविष्ठि रह क्षेत्रिक व्यक्षिकत्रन कश्याम (यन्न क्श्नेटिक क्रेन चार्ड

গৌদীয় ব্যাকরণা

সম্বন্ধ তাহাকে বলা যার যাহার ধারা এক নামের বহিত অন্য নামের অনুয় হইয়া মিলিভার্থ বোধ করার যেনন দেবদত্তের ঘর, এন্থলে দেবদত্ত নামের, ঘর এই নামের সহিত অনুয় হইয়া দেবদত্ত সম্বন্ধীয় ঘর বোধ হইল।

যাগার বার৷ ক্রিয়া নিজাল গর তাগাকে সংকৃত ভাষায় করণ কলেন কিন্তু পৌড়ীয় ভাষাতে তছোধের নিমিত্ত কর্ত্ পদের পরে পরা কিয়া 'দিয়া শব্দের পুরোগ করা যার যেনন ছুরি ছারা অথবা দিয়া কাটিলেক, কপন সমুদ্ধ পরিণানের পরে " ছার্ল" শব্দ আসিরা থাকে যেমন ভ্রির দ্বারা কাটিলেক অতএব সংক্তের লার গৌড়ীয় ভাষায় করণ বোধের নিমিত্ত শক্তের পৃথক্তাপ হয় না। যে বস্ত হুইতে অন্য বস্তুর নিঃসরণাদি ক্রিয়া হয় তাহাকে 'সংস্ত ভাষায় অধাদান কহিয়া থাকেন কিন্ত গৌড়ীয় ভাষায় উক্ত অপাদান যদিএক বচনান্ত হয় তবে তাহারপরে " হইতে" শব্দ প্রয়োগ হয় যেমন বৃক্ষ হইতে পুড়িল, আর বহু বচনান্ত হুইলে সম্বন্ধীয় পরিণাম পদের পরে " ২ইতে" भटकत क्षेट्रक्षेण हरेंची थाटक ध्यमन मजिएसत हरेट बहे कर्म हरेना व्यक्त में की दीव जावा जनातात नारकत निर्वाहरी रेश में। यथन कान वह क राषायामा वर्ष শ্বারোপিতমতে অভিমুখ করিবার নিসিত্ত হৈ ও ক্ষানি গালের প্রান্তির বার তখন কর্ত পালের অবিক্ষান্ত রূপ থাকে যেনন হে মহাশার, হে নহাশারেরা কিন্তু
ন্থন 'হে' 'ও' ইত্যাদি শব্দ ব্যক্তিরেকে অভিমুখ কর।
ক্ষিত্রত হয় তখন সংস্থাপ্রদের অভ্যন্ত ওক উচ্চারণ
ক্ষিত্রত যেনন মহাশার অভ্যাব গৌড়ীয় ভাষায় সংস্থাধন
ক্ষিয়ে গালের পৃথক রূপ হয় না।

ততীয় পুকরণ। নামের বৃচন ও ৰূপ।

अक वस्त स्थान सामक वस्त अकर सिक्शास व्य स्थान में स्थान में मूर्या, स्थार । स्थान में क्या प्रथम कर्णा से स स्थान में स्थान में स्थान में स्थान स्थान क्या स्थान क्या सिक्स क्या द्यापक स्था ख्यम छ। शांक वस्त्र व्यवक्त स्थान क्या अका क्षिक क्या द्यापक स्था ख्यम छ। शांक व्यवक्त स्था प्रथम खाँच क्या का स्था खाँच क्या क्या क्या का स्था स्था स्था क्या क्या का स्था स्था स्था क्या क्या का स्था क्या क्या का स्था क्या क्या का स्था क्या का स्था क्या क्या का स्था का स्था का स्था का स्था का स्था का का स्था শ্রকার ক্লান্তর হয় যেমন পণ্ডিত পণ্ডিতের। তেতিক্লান্তর পর্য়ের বছৰচনাভিপ্রায়ের কাল্ডিরা না হইয়া 'নকল' ইত্যাদি বছত্ব বোধক শংকর প্রয়োগ হয় যেমন পশু সকল। এবং বছত্ব বাচক "নকল" ইত্যাদি শংকর মন্য্য জাভিত্তেও এইরপ প্রয়োগ হয়, যেমন মন্ব্য সকল।

कर्डा, कर्झ, अधिकत्न, मध्याः भरतत्र तुना

কর্ত্তা পদে শব্দের অবিকলরণ থাকে কিন্তু কথন খ সকর্মক ক্রিয়াতে, কদাচিথ অক্যাক ক্রিয়াতে অধিকরণ পদের আকার গৃহণ করে যেমন লোকে ক্লে, ঘোড়ায় মারিলেক, লোকে বসে !

নানের পরে 'কে' সংযোগাধীন কর্মা পদের বোহ হয় যথা গুরু শিষ্যকে শিকাইতেছেন। বিশেষ এই হে যেসকল বস্তুর কেবল হাস বৃদ্ধি আছে যেনন বৃক্ষাদি ভাহার কর্মা পদে কে' সংযোগ বিকশেপ হয় ও যাহার হাস বৃদ্ধি নাই যেনল পুজকাদি ভাহার কর্মী পদে 'কে' সংযোগ খাকেনা যেনন বৃক্ষ কথকা বৃক্ষকে কাটিভেন্তে, পুজক পাড়িছেছে। দান প্রভৃতি ক্তিপয় কিয়াতে গৌণকর্মেই কে সংযোগহয় যেমন রামান্তামকে

त्गोषोसं वराकत्रभः

জ্বানাযায় তবে ভাহাতে 'কে' সংযোগ বিকপ্পে হইবেক থেমন আপন পুথকে অথবা পুথা আ্যাকে দেও।

অধিকরণ পদকে জালাইবার নিমিত্ত অকারান্ত নামের অন্ত অকার স্থানে এ অথবা এতে আদেশ হয় যেমন ঘরে, মরেতে কিন্তু যেসকল নামের অন্তে আ থাকে তাছার শেষে তে । য় সংযোগ করা যায় যেমন মৃত্তিকাতে, মৃত্তিকায়। আর যে সকল নামের অন্তে ই ই উ উ এ ঐ ও ও থাকে তাছার শেষে তে সংযোগ হয় যেমন ছুরিতে, বাটীতে, করেতে, কটেতে ইত্যাদি। আর তকারান্ত শন্মেশে থা এক সংযোগ সাধু প্রয়োগ হয় যেমন হাতে প্রভাতে ।

সম্বাপদে নাম যদি হলত হয় তবে তদতে আর ক্ষাকারান্ত হইলে তৎস্থানে 'এর' সংযোগ করা যায় যেমন বটের, দেবদত্তের। তন্তিয় নাম মাত্রে 'র' সংযোগ করা বাহু যেমন রাজার নদীর ইত্যাদি।

কর্ত্তা

ক্ষাবল বালকেরা হলন্ত দৈজ বৈদ্যা হলন্ত দৈজ বৈদ্যা অ মোড়া ঘোড়ালকল আ ক্ষাব

শৌদীয় ব্যাকরণ।

Yâ

সামী	সাধীসকল	ब्रे
পশু	পশু সকল	\$
বধু	বধূসকল	ঠ
बट्टे	करिं मक्ल	4
रेंब्र	देव नकल	À
গো	গো সকল	3
শৌ	(मी मदन	4

কৰ্ম

1 44
বহ ্বচ ন
বালকদিগকে
देशकिमशस्क
যোডাস্কলকে
কবি দকলকে
नाधी नकलाक
পণ্ড সকলকে
ं वश मकल (क
कटि नकन्द्र
देव नक्लाद
গো সকলকে
(मी मकन्द्र

(गोकां स साकत्रग।

অধিকরণ ৷

এক বচন

बानक, बानकड

বৈত্রে, বৈত্তেতে

ঘোড়াতে,ঘোড়ায়

কবিংভ

সাধীতে

পশুতে

ৰধূতে

क्रहेरक

रेहरज

গোতে

সৌতে

বছ বচন

বালকদিগেড,বালকদিগেতে

रैमजिमिरगा, रेमजिमिशक

(श्राष्ट्रा मकल्लाख

কবি সকলেতে

সাধী সকলেতে

পশু সকলেতে

वधु मकल्लार्ड

कारे नकालंड

हेत्र मक्रामा छ

(श) जकालांक

भि नकंति छ

मश्चा ।

AT THE

বালকের

रेगद्धव

ঘেডার

दह दहन

नानकिंग्रिज, नानकरमञ्ज

टेमजिल्लान, देमज्यस्त

বোড়াসকলের, বোড়াদি-

গের

कविमकालात, कविरमत

क्रीनव'

শাধীর	माबीरमञ्ज, माधीकिरमञ्
ମ୍ମୁর	পশুদেৱ, পশুদিনের
বধূর	वश्रापत्र, दश्रीमाश्रत
ज छित्र	अर्छेत्ररम्, अर्छेमिर्शत
••	रेत नकरनन
গোর	গোদকলের
সৌর	मोरमत, भौमिरभन्न

চত্তর্থ পুকরণ :

इरिन विस्तिय विद्यवस्ताः

मन्द्रात श्राष्ठ यथन पूक्षा चिटिश्य हर ज्येन (य नकत मन् इन्छ ७ व्यक्तिहरू छेक्षाति छ इर এव॰ (य नकत मन् व्यक्ताता छ जारात चर्छ "व्या" कारतत त्याश इर त्यम ताम-तामा क्ष- क्षा। त्य नकत इल्छ मन् व्यक्तिहरू উচ্চাति न। इर जारात चर्छ 'अ'कात चारे रमत्यमन मानिक-मानिक, भागान-स्थाशास्त्र। किछ त्यनकत मन् मन्द्राहरत मिनिक इत्र व्यन् छोशात भाग मन्द्र मीयस्त मा वारक रम् गकन व्यन्त चार्यक्ति छेक्षाति ज मरस्त मारा क्षा इर्देश वारक त्यमक तामकन-तामक्या। कथम २ (मार्य 'छ' कारतत त्याक इत्र त्यमक त्या हैन। त्य मन्द्र व्यक्ति वत्र শুর যুক্ত হয় উতাহার পূথন অকরে 'আ' থাকে তাহার পূথন আকারের একারে, দিতীয়ের ওকারে, পরিবর্ত্ত হয় যেনন রাধা-রেখা কিন্তু অন্য ২ স্থানে পূায় পরিবর্ত্ত হয় না যেনন রামা, শ্যামা, ইত্যাদি ৷ আর যে সকল শন্মের অন্তে ই, ঈ, থাকে তাহার পরিবর্ত্তে একার এবং ইকারান্ত শন্মের আদ্য আকারে 'এ' আদেশ হয় হরি-হরে কাশী-কেশে, উকা-রাম্ভ শন্মের উকারের স্থানে 'ও'কার হয় যেমন শন্ত-শন্তো কিন্তু প্রীবাচক আকারান্ত শন্মের অন্ত্য আকারের পরিবর্তে ইকার আদেশ হয় যেমন তারা-তারী, রামা-রামী, ইত্যাদি ! অক্স-ম্বর্ণো, গণেশ-গণেশা, ভোলা-ভূলো, ইত্যাদি !

পঞ্চপুকরণ। লি**দ** বিষয়।

विरम्भवन भारत्व की व व्यक्ति श्राह्मारम व्यक्ति हारन के कारम रुष्ठ त्वमन त्मीत-त्मीती, मूर्टि-मूंही, मूर्यायी-मुर्भी। मम्बा झांजित मध्या व नकन नाम हेकात्रास, केकात्रास धकाती विश्ववा " म, न" व्यक्तित्व जन्य कान इनल मान তাহার প্রীষ্ঠ জাপলের নিমিত অন্তে 'নী' পুত্ররের পুয়োগ भाष्त्र इहेश थारक, रवमन वीणि,-वाणिनी,कन्-कन्नी, ज्यान ज्यांननी, माणिष्ठ-माणिष्नी, कामाद्र-कामादनी, मानि-मालिनी, इंड्यानि किंड मालिनी, नाखिनी अ मुहे नाद्वत কণাচিৎ নিম্নাতিরিক্ত পুয়োগ হইয়া থাকে। নকারান্ত নামে ব্রীলিক বোধের নিমিত ঈকারের পুয়োগ হয় বেমন त्याजनयाम-त्याजनयानी, शाठाय-शाठाची । वकाबार नात्य "हर्नी" **अथवाः काकीः मरमाश** ह्य स्वन्त छ।व-ठश्रानिनी, (मानन-साननानी,। जामाना नवामित्र नाम याक्। क्लख ্হয় তাছার শ্লীক ৰোধের শিশিক 'ঈ' কিয়। ' ইনী' ইবার भुरमान कन्ना यात्रा (वयन लिक्सल-लिम्नानी, वाप-वानिनी, নাপ-নাশিনী। যাহা আকারাত হয় তাহার আকারজানে ক্ষিকার হয়নেম্ম ভেড়া-ভেড়া। পশু ব্যক্তক কোন স্পত্নের **७ (कानर जाकिशक्त अन्य (कामर विश्विक गरमन जीविक** श्रामाण श्रामीच बाब चार्य रकान अंक क्य यत रहा रामन त्याजा पूछी, त्याज द्वाचा-त्या छ द्वाचिनी, त्याभारक-त्याभाषिनी,

देखारि, चन्ना नाम नक्क याशे खां कि कृति है है छाति भन्न का वाहक छात्रात खाँची। वाध्यत निमित्त चाकात्रक, नेक'रत लेकिक का वान खाँची। वाध्यत मिनित्त चाकात्रक, नेक'रत लेकिक का वान खाँची। चान खाँची। चान खाँची। चान खाँची। चान खाँची खाँची। चान खाँची खाँची। खाँची खाँची। खाँची खाँची

বিদ্যাতিকার লিয়।

পিতা তাঁহার জ্ঞা "মা" ভাই তাঁহার জ্ঞা "ভার্ছা"
শাসী ভাহার নামা নেমো। বলদ, গাই, ইত্যাদি।
গৌড়ীর ভাষাতে ক্রিরা পাদে, কিয়া প্রতিদ ভাষ্য,
শাসনা বিশেষণ পদে বিজ্ঞাপনের কোন বিশেষ চিত্র
নাই য়েমন সে অন্ধ্র ভাল গান করে, সে অন্ধ্র
পুরুষভাল গান করে, এছলে অন্ধ্র যে বিশেষণ্ডাদ ভাহ্
প্রাথ্য পুরুষ উভন্ন সম্প্রেসমান শ্রণ রাখিলেক সুভরাশ
শিক্ষাবিশয়ে অধিক লিখনে অন্ধ্রক গৌরুষ হয়।

সপ্তম পুকারণ।

ভদ্তিত।

एम बाठक अक्षाता यथन एम गम्कि अमार्थ वां≉ হ্য় ভখন অকারাত্ত কিয়া হলত দেশবাচক শক্তের পরে "ঈ্" 'ঈর' অথবা এ এই কয়েক প্রত্যুরের পুরি সংযোগ হয় যেমন কুরুক্তেত্রী, গৌড়ীয়, ভাগলপুরে । আকারাম্ব **(मनवाहक म्यापन भारत हैकारहन मन्द्यां हुए स्थल** চাকাই, পাটনাই, ইত্যাদি। ইকারান্ত শব্দের কোন পরি-বর্ত হয়কা কেবল সহন্ধ পরিপামের রীতিপ্রাপ্ত হয় মেনক কাশীর। হলন্ত নাম স্ক্রীন যাহা অবিকেদে উচ্চারিত হয় ভাহাতে যদি অন্তঃ বর্ণের পুর্ণের কাকার থাকে ওবে শেষে 'ও ''সংযোগ এবং ঐ অ্কারের ছানে একার প্রায় হইয়া পাকে, আর যদি আকার নাথাকিয়া প্রকার भारिक उद्देव (भारत् दक्त्य अकारत्व म्॰ ध्यान इत अक्ष শারিবর্তের দারা নিত্য অবস্থান সথবা নহন্দ প্রতীত হয় त्यमन (शरहा, अरहा), थर्डा। (य मकन नक निष्क्रमारश উচ্চারিত হয় ভাহার অন্তে 'এ' কিয়া "ইয়া" সংযোগ **रत्र व्यमन श्राहाएक, श्राहा** क्रिया, श्राधात, श्राधातका हुन ह किन गाणि बहेरक भारते, भारते हरेरक मुद्दी हे ज्यानि किन्सि अर्धात नियमाणिकाम रहेया थारका अन्यन अर्धाध

বিশেষৰ ৰূপে প্ৰায় কৰেহার হয় যেমন ঢাকাইকাপড়, পাটনাই বুটা শব্দ সকল যাহা সমুদ রহিত সমূহকে কছে ভালার ৰভাব ৰুঝাইতে "মি" কিয়া "আমি" ইহার সংযোগ প্রায় করা যায়, যেমন ছেলে, ছেলেমি অর্থাৎ ছেলের মভাবঃ বানর-বানরামি অর্থাৎ বানরের মভাব ৷ किछ घड़ामि अभीक यमः शि शृन्तंव भामि ने स्यात्भन ছারা হটয়াছে তথাপি **ঘরের ছভাব না বুঝাইয়া যে ঘর** ৰিৰ্মাণ কল্পে ভাহাকে ব্ৰায় ৷ এইৰূপ কোন ২ গৌড়ীয় नित्भवः अथदा निरम्यन मरकद शरत " आहे" न्र~रवारभद्र দ্বারা তাহার ধর্মকে বুয়ায় যেমন বামন-বামনাই, ভার্ক ্ভালাই ইত্যাদি।কোন ২ শব্দের উছর 'পিরি' পুত্রয়ের ·দ্বারা ভাহার াশ্বকে পুতীতকরে যেমন গোঁ**নাই**গিরি, 'কেরানিগিরি ইত্যাদি ৷ গৌড়ীয় ভাষাতে মভাব কিয় ধ্য়ী বোধের নিমিত্ত স্বর্বসাধারণ কোন নিয়ম নাং কিন্তু সংস্কৃত শব্দ সকল সেই ২ অর্থে ভাষার পুরোগ করা यात्र (यमम मनूष्य-मनूष्य कर्षाय मनूष्यात्र क्रमाश्वात्र धर्मा. উত্তম-উত্তমতা অর্থাৎ যে ধর্মা ব্যক্তিতে থাকিলে উভ্ন িকল্পিয়া কহায়। এইকপ 'ছ' কিন্তা। 'তা' সংখ্যাগের দ্বার। न्यक्ष विस्था विस्थान भारत श्रम किया वकाव विस्था পুতীতি হয়। এইৰপ অন্য ২ পুকার ধর্ম বাটক সংস্তৃত

भक्त नक्त राहे २ अर्थ ভाষাতেও পুরোগ করা यात्र विश्न देश्यी-श्रीतका अर्थाव-श्रीतत्र खन, भी पर्या, मृत्यत्र अ, मन्द्रातत क्यों। श्रीतव अर्थाव अर्क्षको हेटानि।

अर्थेश भूतज्ञ ।

मधाम :

খানেক লালের এক পাদের ন্যায় রূপ ইওয়াকে স্থাস কৃছি।

স্বন্ধু, বছবুছি, কর্মধারয়, ভংগ্রুষ, খব্যই ভাব, এই পাঁচ প্রকারে।বভক্ত হয়।

বে সমাসে প্রত্যেক পাদের আধিকা থাকে জানাজে ধন্দ কহা যায় সেমন জুগোল-খগোল পড়িছেছি, এছলে পড়ন ক্রিয়াতে ভূগোল এবং থগোল উভয়ের পুষ্ধান্য বংশ অনুয় হইল :

হেছ পদের নমাস ছই বেক তদাতি রিক্ত অর্থের বোধ ঘাহার দ্বারা হয় তাহাকে বহুরুট্র কহি, বেনন নিইমুখে। অর্থাৎ যে ব্যক্তির মুখমিই। এন্থলে সমানীর যে নিই ও মুখ শক্ষ, তাহার অতিরিক্ত ব্যক্তির বেধিক ইইল।

- অভেদ অনুয় বোধক বিশেষ্য বিশেষণ পাদের গে

সমাস তাহাকে কর্মধারয় কহা বাদ, বেমন কাল্ডট অর্থাৎ কাল এবং ঘট এ দুয়ের অভেদ অনুয় ংইল।

যে সমাসে ক্রিয়ার পূর্বে কর্ম পদ অথবা কেবল সম্বন্ধ পদ থাকে তাহাকে তৎপুরুষ কছা যায় যেমন বেদা-ধ্যায়ী, পুরাণগাঠক, অর্থাৎ যে বেদকে পাঠ করে, ও পুরাণ কে পাঠ করে, আগনলোক অর্থাৎ আপনার লোক।

প্রতি ইত্যাদি অব্যয় পদের সহিত যে সমাস হয় ভাষার নান অব্যয়ীভাব যেমন পুতিদিন অর্থাং দিনে দিনে, সমুখ অর্থাং মূখের সমীপ।

नमान याशा वारका कथापि शरपत यर विद्व शरक नमान हरेल छाडात लाभ हरेता এक शम हत्र शम्छार क्रियात समुनारत कथापि शरपत विद्व हत्र यमन न्करक क्रियात समुनारत कथापि शरपत विद्व हत्र यमन न्करक क्रिया क्रिया क्रिया हिंदी श्री क्रिया क् मूर्थंत कार्य वंज् जांक व्यममर्थ, जांक विकि भृकृत-काल भूक्त, वामरत्त माम मूथ-यामत्रमूरथा। कथमर भयान खांका वारकात मध्यभ म्याम हहेशा जांका हहेशा थारक स्थान जांका राख्य भूथ-यामत्रमूरथा। कथमर भयान खांका वारकात मध्यभ म्याम हहेशा जांका हहेशा थारक स्थान जांका राख्य भूथ, परत्र निमित्र भावन, स्थाना हिशा प्राप्त, हेलांका प्रांत व्यक्ति, नाम, जह मकल भर्मत लांका प्रदेश जांक भूकृत, वामत्रमूरथा, यत्रभावना, स्थानारमाजा, भूर्यांच हहेला। क्या खांकात्रम्रथा, यत्रभावना, स्थानारमाजा, भूर्यांच हहेला। क्या खांकात्रम्रथा, यत्रभाव हेशा स्थान क्या खांकात्र कार्यांच खांकात्र कार्यांच विकास कार्यांच विकास कार्यांच भावन विकास कार्यांच व्यक्ति खांकात्र व्यक्ति वामत्रमूर्था, व्यक्ति, विकास कार्यांच व्यक्ति वामत्रमूर्था, व्यक्ति। किया कार्यांच विकास खांकात्र वामत्रमूर्था, व्यक्ति। किया कार्यांच विकास खांकात्र वामत्रमूर्था, व्यक्ति। किया कार्यांच विकास खांकात्रमूर्था, वामत्रमूर्था, विकास कार्यांच विकास विकास खांकात्रम्थांच वामत्रमूर्था, वामत्रमूर्था, विकास कार्यांच विकास विकास वामत्रमूर्था।

क्यांताली होड़ :

পরস্পার একজাতীয় জিয়া ফরাকে অথবা মদুরা জ্ একজাতীয় জিয়া উচ্চ হইয়া নিস্পার হয় তাহাকে জিয়া ব্যক্তী হার কহা যায়, যেমন মারামারি,লাঠালাঠি, অর্থাৎ লাঠির ঘারা পরস্পার যুদ্ধ করা, বিশেষ এই যে সৌড়াদৌড়িও গালা গালি এই দুই পুরোগ কখনং ক্রত গমন ও পুনঃ পুনঃ অর্থে ব্যবহার করা যায় যেমন দৌড়া দৌডি আইলান, অনেক গালা গালি দিলাম, এছলে সমাস হইয়া পূর্বা পদের শন্ত ব্রের স্থানে পুায় আ' কখন বা ও আদেশ হয় এবং ৃষ্ণ্ডা পদের অন্তাধন স্থানে এবং হুলন্ত শব্দের অন্তে "ই " শাইনে, যেমন কামড়াকামজি, চুলো চলি।

मश्रात्व अस्थानी।

माय 🥦 न॰ शत राहक भारत त शत "है। " "है । প্রোগ হয় এবং মনুষ্য কিয়া পাখাদি বাচক শবের পাছিত অনুত হইলে তাহর খাথ দিবা চক্ষত। বোধ कहाइ व्ययम अक्षा, मृद्धाः, मानुव्धाः, कूकर्तः। यश्य পুণি বাচক শারের ফলিত 'টি' যোগ হয় তথন দ্যা विश्व। उत्तरक्षेत्र (दिश्वक **दहेशा शाकि (श्वम अवि**दिश्विक, হালকটি। আর জ্পাণি হাচক শং ে অন্তি হুইলে ভাতার অশ্রভা বোধ করার নেমন একটি টাকা,টাকাটি। "গাহা" এই প্তরের প্রোগ সেই লকল শৃত্রের উভর ২য় যাছার পুস্ত অপেনা দীর্ঘতার আধিক্য থাকে যেমন একগাছ: দড়ি,দড়িগাছা,কিন্তু ঐ বঙ্গর যখন অপাতা বোধ হয় তথন 'লাছি' পুঙোগ হইয়া থাকে যেনন দড়িগাছি। 'টুকি কিয়া 'টুকু' অপভা অর্থেদুর দুব্য বাচক ও লবণ মাৎসাদি কতি-भाग भारत्त्र भारतः भारत्रीं व व्हेशा शास्त्र यमन जलापूर्वि লবণ টুকু ইত্যাদি। 'গোটা' ইহার পুয়োগ দে খ্যা বাচক শক্তির পূর্বে তাহার শ্লিধারণার্থে হ্র, ষেমন গোটাচারি क्षेत्र (ए०।

•গুলা ইছার পুষোগ নামের পরে হয়, এবং বাছল্য অর্থ বোধ করায়, যেমন বলদগুলা, টাকাগুলা ইত্যাদি।

ওলিন' নামের পরে দংশ্বক্ত হয়-এবং গ্রেছকে ব্যায় যেমন বালক ওলিন : 'খান' নেই সকল শাদ্রে পরে পায় আইলে যাহা চেপটা বস্তর পু ভিপাদক হয় যেশন প্রাচাধানা 'থান' বিশেষ দীৰ্ঘত। কিশিউবস্তবোধকশক্ষে সহিত প্রয়োগ হয় যেগন কাপড় থান, একথান কাপড় ইড্যানি, এইরপ দণার নোহর শক্ষের দহিতও প্রয়োগ যেম্ন মেংর থান, একথান মোহর। এই দকল প্রত্যার যাহা পুর্বেষ কহিলাম ভাছারপুরোগে বিশেষ এই যখন **ন^খ্যাবাচকে**র পরে আদিবেক তথন তাঙার বিশেষ্য পদের অনিধারণকে বুঝায়, যেমন এক খান নৌকা আন অর্থাৎ অনিধারিত যে কোন এক নৌকা আন, আর ব্যন मार्फ्य महिल अनकत्वत शुरगंश हरेरवक लथन छेख्दा শিলিত হইয়া একশক্ষের ন্যায় ৰূপ চ্ইবেক, যেমন বীলক-টাকে ডাক, বালকটার কোন বেগধনাই ইত্যাদি। ৰূপের পরে 'ই 'এই স্বর্নাত্রের পুরোগ হইলে অন্যের ব্যবির্ভন বুঝার যেমন আমিই করিয়াছি, আমাকেই দিয়াছেন, आमातरे वा**ठी, अ**र्थाय अत्मात नरह, त्मरेक्श 'छ' धरे स्त नमूक्त प्रार्थ भूयुक्त इत्र यमन व्यक्तिक शिवा क्रिया क्रिय

্ৰে পিয়াছিল এব৲ আমিও পিয়াছিলাম। উক্ত ও কখন বা ঁপৰ্চয়াৰ্থ ৰোধক হইয়া অপেকাকৃত গৌরব অথবা তুচ্চ-ভাকে বুঝার, যেমন আমাকেও তুল্ছ করিলেক, অর্থাৎ খন্যকেকরিলেক এবং আমি বে তাহার অন্যঅপেক্ষামান্য ্ছিলাম সামাকেও করিলেক ইত্যাদি। কথন ২ পৌনং भूना किशा मीघुठा अथवा उपात्रीना धरे नदन अर्थ শক্রে দ্বি খ্ট্য়া থাকে যেমন থর থর, ধর ধর, থাক থাক, যাও যাও। যথন এক শব্দের পরে তাহার পুতিরূপ শব্দ ক্ছাযায় তথন তাছাকে অথবা তৎসদৃশ বস্তুত্রকে বুকাঃ বেমন জল টল আছে, অর্থাৎ জল কিয়া তৎসদৃশ পানীয় দ্ৰৰ আছে,' কাপড় চোপড় আছে অথাৎ কাপড় কিয়া ভংগদৃশ বড়ভর আছে ইভ্যাদি। পূর্ব্বোক্ত পুত্যয় नकरमञ्ज क्वल भारकात मामाना व्यामारण बावशांत रहेग्र থাকে কিন্তু সাধু লিখনে প্ৰায় আইসে না!

লৌড়ীয় ব্যাকরণঃ

দ্বিতীয় পরিচেছদ ৷

সর্ব জি

ण णा, हे जे, डे डे, এই म्हर श्रदात्र नवर्गम् आ हत्। यथा, ण जा, शतक्यात नवर्गमह क्षा हे जे, अवर्षे डे डे, शतक्यात नवर्ग हत्।

> शृक्षं मदर्व हुस। श्रद्ध भवर्व हीर्च।

यथ र्वा, हे, छ, हम्।

ষর বর্ণ পূর্ত্রপদের অন্তে এবং তাহার স্বর্ণ পর্পদের আদিতে থাকে, তন্মধ্যে ব্যবধান না থাকিলে, এ উভয় বর্ণ মিলিত হইয়া দীর্ঘ স্বর্ণ হয়।

ঘরান্ত		य त्र। नि	41
ভাব	W	অর্থ	ভাবার্থ
季 利 5	অ	ग्रानाम	ক্ষতাগর
পরম	487	শাস্ত্ৰ	পরুষ্যুঃ
অভি	₹	ইউ	- পভাষ
কাশী	\$	ঈশর	कामीयत
যোগি	₹	ঈশর	্যাগী শর

शृद्धं शामत चारह, च, चा, धनः भन्नभामत चानि । है हो, है, है, है, सन शास्त्र जनासा चनादर्ग तावसान तिह छ है। है, से, साम धुन्यं सहन तिह है, हो, साम धुन्यं सहन तिह है। हो।

ate.	न्ह्यं .	है छह।	न(एक्ट)
পর্ম	ধ্য	लेखद	পর্মে শার
দেবত:	180	₹ 5501	(मंदरच मह
উমা	M)	ঈশচন্দু	উলেশচলূ
উঞ্	48	উ খ ক	उ द्धां ए क
से क	44	উদ্ধৃ গমন	উদ্বোদ্ধগমন
च है ।	জা	উপরি	খট্টোপরি
পটাবিক।	W	উদ্ব ভাগ	দটোলিকে। ভূডিাগ

শুর্পদের অন্তে ই, ই, উ পরপদের আদিতে অ আ উ মার থাকে এবং তথ্যধ্যে ব্যবধান না থাকিলে ই, ই, স্থানে भ, এবং উ হানে ব, আদেশ হইরা পর পদের আদ্য হরের সহিত পূর্মপদের অন্তঃ হলবর্ণে যুক্ত হয়।

পৃত্তি	R	6.2	27
অভি	**	জা† স	প্ৰকাশ
বি	Š	উৎপর্ন্তি	কুংগরি
श् ष्कद्विनी	D	४ यु	* ক্রিপার
भ मी	*	অব্যাল্	सर्गात्रभग
नतमी	₹	উদ্ভব	न रमाध्ये
-F: 30	উ	আদি	** THE

इलग्री

शृद्धिमत व्यत्न, क. १६० शतामतं कि । व्यतः व धारम् व्या, हे, के, क. प. र. १, शाकिएन हे क. कारम् भ, हरेता शत शरमत वामानार्थ युक्तरतः।

হলন্ত্ৰ	र इंश्ला नि	বাপ
श्रक्	আত্যন	বাগাড়য়্ত্র
ত্বক্	ই ক্রিয়	इशिक्स
বাক্	ब्र म	ুবাগীশ
विक्	कीरन	धिनीया

গৌড়ীয় ব্যাকরণ।

Ca

দিক্ দর্শন দিখুর্শন দিক্ বিজয় দিগুজয় বাক্ যুদ্ধ বাংযুদ্ধ

भृत्रं भारत करह, है, भद्रभारत कारिएड क, जा, थ, छे, ब, व, व, थात्क क्याधः वावधान ना थाकित्न छे हे, ज्ञात छ इहेग्रा भारभाषत कामावर्ष युक्त इग्ना

ষট্	'আঞ্	४ इ ः
बहे	* THE	वड़ान्न
वाह्	₹ ₹	ষড়ত
यदे	ન્વે જાઈ	बरे इश्वर्थ
यहें .	THE	ल्ड म्भन
খ ট্	ૈં 4ંધ	য ড্বিধ
गरे	Marie Arti	যভূম্

शृर्द भारत व्यक्त छ, अद॰ भादभारत व्यक्ति छ, व्यक्त इ. चे, छ, छ, भार, थ॰ व, द, थाकिल ओ छ छात्न ह इहेबा भद्रभारत व्यामा वर्त्युङ इत्र ।

७२ भदि छम्दि

ভবিষ্যৰ ভবিষ্যদাজা

⊉ ≪	ইকিত	उ मिक्किल
জ গত্	ঈশ্বর	क् शनीय इ
স্থ	উত্তর	ममूद व
32	T §	छ मृष्
खाँ र्। र	<u>ज</u> ्ञ	व्यां भाग् शब
10 3 3.	C. M. St.	अउ रम्भ
& *	₩ ₹	তদ্বন
স্ৎ	र अ	বছক্
श्रद	ৰণ	ম্ ক্রপ

ृर्क् शामत व्यक्त क, धरः श्रांशमात व्यक्तिक व्यवस्थात न, म, शांकित धे क, ज्ञांम म, इहेग्रा श्रांशमात्रक व्यक्तिक द्या

লগত নাথ দ্বাম্থ লগত নাথ দ্বাম্থ লগত মাহন খ্বাম্ভ

পুর্বা পাদের যান্তে ত, এবং পরপদের আদিতে, ল, মধ্যে ব্যবংখনে রহিত হইলে ঐ ত, স্থানে, ল, ইইয়া পর পাদের আদ্যবর্ণে যুক্ত হয়।

रशेक्षीय वर्गकत्रन।

মূর্ম্মন্য যকারের সভিত তবর্গের যোগ হইলে তবর্গের স্থানে টবর্গ হয়।

विश्विष् अनुष्

ত ধান ি বিশিষ্ট অনুষ্ঠান

পূর্ব পদের অন্তে ত পরপদের আদিতে, চ, জ, থাকে তল্পাধ্য ব্যবধান না থাকিলে এ ত স্থানে ক্রমেচ, জ, হইয়া পর পদের আদ্য বর্ণে যুক্ত হয়।

×115

यावद

इम्मू

শরজন্ম

জীবন

থাবজ্জীবন

পূর্বপদের অন্তে, অনুযার শ, পরপদের আদিতে অব্যবধানে ধন থাকিলে ঐ ৭, অনুযারের স্থানে ম, ছুইয়া পর পদের আদিবর্ণে যুক্ত হয়।

For.

অধিক ৎ

কিম্বিক^

পূর্মপদের অন্তে অনুস্থার ১, পরপদের আদিতে

অব্যবধানে বগাঁর ব্যঞ্জন অক্ষর থাকিলে সেইবর্গীর
পদেন ক্লক্ষর ঐ অনুস্থারের স্থানে হইয়া পরপদের আদ্য

পৌদীয় ব্যাকরণ।

স্ণ কোচ সংস্কাচ স্ণ চর স্থান স্ণ তরণ সন্তরণ স্ণ শূর্ণ সম্পূর্ণ

विनर्गमिकाः

পূর্বপদের অন্য অকারের পর ' । বিসর্গ, এবং প্র পদের আদিতে অকার থাকিলে এ বিসর্গ স্থানে পূর্বাপর অকারের সহিত 'ও' আদেশ হইয়া পূর্বপদের অতে যুক্ত হয় ৷

বিশ্বভি

व्यक्तां ता भ

A ST

वश्र

অখিক

वरत्राभिक

পূর্কগদের অন্তঃ অকারের পর বিসর্গ এবং পার পাদের আদিতে দ. ন. য. ব, ৮, ছ, থাকে তন্যথে ব্যবধান রহিত ছইলে পূর্বপদের অন্তঃ অকারের সহিত ঐ বিসর্গ ও' ছইয়া পূর্বে পদের অন্তঃবর্গে যুক্ত হয়।

বিস্পান্ত	इना ि	'ৰূপ
ম্নঃ	मृ ः थ	भटनामू ः भ ्
नमः	न्भः	ন্মোন্সঃ
म्बर	্যোগ	মনোয়ে!প
তেঙ্গঃ	বৃদ্ধি	েতলোব্দি

গৌণীয় ব্যক্রণ।

डामि যুগোরাশি (७(कार्गम शृक्ष भारत वास्त 'है' विमर्ग, भैत भारत वाहिएक क, छ, थारक उन्नास्य गुरुधान ना थाकित्न थे दिनर्भ न्दात्न 'म' इहेशा भद्रभारम् जामः वर्ष युक्त इस । তেজকর তেজঃ কর মনস্তাপ ভাপ NAS. পূর্ব্ব পদের অস্তে 'ঃ' বিসর্গ, পরপদের আদিতে চ, ছ, থাকে মধ্যে ব্যবধান না থকিলে ঐ বিসর্গ হোল भ, इहेम्रा शत्र शरमत आमात्रावर्ण युक्त हम्रा নিশ্চন্ত চিম্ভ ছিদু নি[শ্ছদ ু পূর্ব্বপদের অন্তঃ ই, উ, স্বয়ের পর বিদর্গ এবং পর পাদের আদিতে ক, ট, প, ফ, থাকে তলাধ্যে ব্যবধান हिरुष्ठ इरेल थे विमर्श छात्न य इरेग्ना भन्नभाषत आपावर्ष युक्त रहा। নিষ্ঠার কর নিহ্লাপ FA1 MA

कन

কর

নিয়ুল

मुक्तव

धनुष्ठ**क ।** त

٠٤ "

গৌড়ীয় ব্যাকরণ। তৃতীয় পরিচ্ছেদ।

-->>> ⊕ ⊕ ⊕ (+---

शक्रवन ।

প্রতিসংজ্ঞা

পতিনিধিবাপে সর্বাপদার্থের বাচক যে শব্দ তাহাকে পুতিসণ জা কছাবায়. যেখন আমি, ত্নি. সে, ইত্যাদি ! যে প্তিৰণজ্ঞা কেবল বক্তাকে প্তিপন্ন করে তাহাকে উত্তৰ অথবা পুৰুষ পুৰুষ কহাযায় যেসন 'আনি'। যা**হার**-পুতি ব্ক্যেপ্রেগ করাযায় কেবল তাতার প্রতিপাদক ্যে গ্রিলৎজ্ঞা ভাহাকে নবান **স্থবা দ্বিনয় পুরুষ কহি** रक्षण छूनि । शू**र्क कृषिक नृश्चिछ शमार्थिव दारु ह या नव्ह** জালতক ভূতীয় পুরুষ কথাধার সেমন সে, ঐ ব্ভিত্ত পদ ব सभक्षक अस्ति **भूक क**रेटन १७८६. एउन अस्ति । अस्ति अस-মধ্যে অথচ দূর অভিপ্রেত হইলে ২০১, আর অপ্পদূর অভি-প্রেচ হইলে ও ইছার প্রোণ করাযায় ৷ বে পুতিবং জা শভিপ্রেগদাথের বোর্মনিত ব্কাত্তর **সাপেক হয়** তাছাকে বয়ন্ত্রীয় পুভিদ ভা কছাবার, যমন-যে আমাকে কছিয়াভিল সে মতবোদী। যদ্যপিপুথম প্রুষ অন্যের পুতি-পাদক না হইয়া বিশেষ বক্তাকে পুতিপন করে তথাপি বত্-বচনস্থলে বক্তা যে ক্রিয়া করে তঙ্জাতীর ক্রিয়ার সহিত্ত

48

গৌড়ীর ব্যাকরণ।

শাহার জাহিত্য থাকে তাহাকেও কছে, যেনন আমর। প্রতিতেছি অর্থাৎ বক্তার সহিত্পাঠ কিয়ার সাহিত্য যাহার প্রাকিবেক তাহার এবঁৎ বক্তার উভয়ের প্রতিপাদক হয়।

आंधि मंद्रहरूश

46	কর্ম :	অধি করণ	म श्रक्त
শানি	আমাকে	আমায়-আমাতে	আমার গ
আমহা	भागामिशटक	• আম।দিগেতে	আমাদের
- 41	भिश्वद्भुत कारने ।	—ইতরলোকে মুই—	কৰিয়া থাকে,
म्ह	মোকে	মোতে	মোর
শোহা	व्या मिर्श्य	মোদিখেতে	<u>ৰোদের</u>
	ু জু	ते गंद्यद्व क्रश ी	

ভূমি ভোষাকৈ ভোষাতে ভোষার ভোষরা ভোষাদিগকে ভোষাদিগেতে ভোষাদের

ত ব্যৱহারত শব্দের বছবচন প্রয়োগে অধিকরণে রপ। স্থর:

রাহইয়া সম্মীয় রূপের পার উপসর্গের যোগ হয়, যেমন তোমা:

হুমুদ্ধর পুতি, ভাহাদিবের উপর।

শৌদীয় ব্যক্ষণ

্ৰহার, উদোলে তুনিলক প্রোগ ধর তাহার তুক্ত। পুকালের নিমিত্ত 'তুমি' ছালে 'তুই' হইয়া থাকে।

तुश ।

ভূই ভোকে ভোডে হোর ভোরা ভোদিগেও ভোদের

তুমি, আমি, এইদুই পুতিসংশীর যখন সহযোগে ব্যবহার হইবেক তথন কভূপিদে তুমি আমি স্থানে তোমার, আমার, আদেশ হয়, যেমন-ভোমার আমার একত যাইব ইত্যাদি 1

'(म' नेट्स्त द्वा ।

সে ভাহাকে ভাহাতে-তাহার ভাহার ভাহারা ভাহাদিগকে ভাহাদিগেছে ভাহাদের

যখন সমান ভাৎপর্য হইবেক জখন 'নে 'ইহাল্ল ছানে তিনি কিয়া তেঁহ আদেশ হয়, আর জন্য ভাবং পরি-গামে আদ্য স্বর সানুনানিক হয়, যেমন-তিনি কিয়া তেঁহ, তাঁহাকে, তাঁহাদিগেতে, তাঁহাদের, ইত্যাদি ৷

'এ' শক্ষের রূপ 🖳

এ ইহাকে ক্রিটতে ইহার ইহারা ইহাদিগকে ইহাদিগেতে ইহাকের

গেড়ীয় ব্যাকরণ

সন্মান আভিপ্তে হইলে 'এ' স্থানে ইনি আদেশ হয় এব' পথ্য স্থান্ত্র ও সানুনানিক উচ্চারণ হয়।

রুপ ।

ইনি ইহাঁকে ইহাঁতে ইহাঁর। ইহাঁর। ইহাঁদিগকে ইহাঁরদিগেতে ইহাঁদের 'ও' শব্দের রূপ।

'এ' শব্দের ন্যায় ইছার কাপ হয় কেবল ওকারের স্থানে 'উ' হইয়া থাকে,যেমন ও, উহাকে, উহাতেইত্যাদি। প্রস্পার কথোপকথনে কর্তু পদ ভিন্ন কারকে যখন 'হা ইহার লোপ হয়, তখন 'এ' স্থানে 'ই' আদেশ, আর ওকার স্থানে 'উ' আদেশ হয় না, যেমন একে-ওকে দেও।

সন্মান অভিপ্রেত হইলে ও' ইহার হানে উনি আদেশ আর প্রথম ধরের সানুনাসিক উচ্চারণ হয়, যেমন, উনি, উহাঁকে, উহাঁতে ইত্যাদি। 'যে' এই প্রতিসণ্জাররূপ দে এই প্রতিসণ্জার ন্যায় হয়, যেমন-যে, যাহাকে, যাহাতে, যাহার ইত্যাদি। সন্মান অভিপ্রেত হইলে, যিনি, যাঁহাকে ইত্যাদিরূপে পরিণাম হয়। জিজ্ঞাসারবিষয়পদার্থ যদি ব্যক্তি হয় তবে 'কে' আর যদি বস্তু হয় তবে 'কি' ইহার প্রয়োগ হয় কিন্তু উক্ত কিয়া উহ্য ক্রিয়া ভাছার যোজক হইয়া থাকে, যেমন কে কহিয়াছিল। এছুলে কহিয়া- ছিল ক্রিয়া উক্ত হইয়াছে, 'কে' অর্থাৎ বসিয়াছেন অথবা গিয়াছে, এছলে ক্রিয়া উহা ইইল। এবং কি কঁছিতেছ, कि, वर्षा १ मुवा इसे हेडामि ! 'कि' हेहात कर्न 'य' हेहाते. ন্যায় জানিবে, প্রভেদ এই যে সন্মান অভিপ্রেত হইলেও বিশেব নাই ৷ সে, যে, কে, শব্দের কর্তৃ পদ ভিন্ন কারকে কথোপকথালে হো ইহার লোপ হয় যেমন-তাকে, বাকে, কাকে বল ইত্যাদি। **হদি সময় জিজাস্য হয় তবে** কবে' चात 'कथन' हेरात श्राशा रम्न अव- हेरात क्रान्त नारे, কিন্তু প্রভেদ এই যে কবে ইছার প্রয়োগ দিন-জিজ্ঞাস্য, আর কখন ইছার প্রয়োগসময় জিজান্য ইইলে পুায় হইয়া থাকে, যেনন-কৰে যাইবে অর্থাৎকোন দিন যাইবে কখন याहेत कर्थार कान नगरत याहेत्। यथन यान किकामा হয় তখন কোথা কিয়া কোথায় ইহার পুয়োগ হয়, যেনন-কোথা যাইবে, কোথায় যাইবে। অবস্থা কিয়া পুকার জিজাস্য হইলে 'কেমন' শদের পুরোগ হয় যথা কেমন व्यार्डन-इंहात क्रशास्त्र गाहै।

'दि' इहात्त्रभ।

কিসে—কিসেতে কিসের ৷ নাস্ত 'কোন্' শব্দ কে, কি, কৰে, কোথা, ইহার পুতিলিধি বর্ণ হয় এশক অব্যয় ইহার রপাত্তর হয় না

(मोडीय योक्तक)

কার বিশ্বেশ প্রের্ন্যার ব্যব্দার হয়, য়থা, কোল্ বৃথিক লালাকের মারিছেক, অর্থাৎ কে ছোমাকে মারিলেক,কোল্ পুত্রক পড়িছেক, কোন্ মিরস মাইবে অর্থাৎ করে মাইবে, কোন্ স্থানে যাইছে মুর্নাৎ কোথায় হাইছেছে। যথন অনিছারিত এক ব্যক্তি অথবা বস্থা মিলাস্থাইছেছে। যথন অনিছারিত এক ব্যক্তি অথবা বস্থা মিলাস্থাইছেছে। যথন অনিছারিত এক ব্যক্তি অথবা বস্থা মিলাস্থাইছে হয় তথন অকারাস্থ কোন এই শব্দ বিশেষণের ন্যায় পুরোগ ইইয়া থাকে, যেমন কোন মনুষ্য মরে আছে অর্থাৎ নন্ধের কোন এক ব্যক্তি মরে আছে। কোন পুত্তক নিকটে আছে। অর্থাৎ পুত্তকের কোন একখান নিকটে আছে। অনিজারিত ব্যক্তি জিল্জাস্য ইইলো ক্ষেত্র আছে। অনিজারিত ব্যক্তি জিল্জাস্য ইইলো ক্ষেত্র আছে। কোন পুরুষ্ঠা কেহ' ইছার পুরোগ হয়, যেমন কেণ্ড অথবা কেহ মারে আছে অর্থাৎ কোন ব্যক্তি মরে আছে।

কোন শক্ষ এবং কেছ শক্ষ যথন ছিত্ৰক হয় তথন
শ্বা অভিপ্তে না হইয়া অনিছারিত ব্যক্তি সকলকে
ব্রায়, যেমন কোনংবাজন,কেছং কছে। আপন এই শক্ষ
আবের অথবা পৃতি সংজ্ঞার পর অন্যের ব্যক্তিনার্থ
শ্বোগ হয়,যেমন নে আপন পুঞ্জে দান করিলেক অর্থাৎ
শব্দের প্রক্রেন নছে। আপনি এই শক্ষ নামের কিয়া
শ্বিদ্ধান্তার পরে নির্দারণার্থ পুয়োগ্রুয়, যেমন সে
আবেরি মারিলেক অর্থাৎ নে ক্ষাৎ মারিয়াছে ইত্যাদি,

প্রবণ আমি আপনি, তুমি আপনি, রাজা আপনি ইত্যাদি।
আপনি এই শব্দ কখনং দিতীয় পুরুষের পুতি তাহার
সন্মান্মভিপ্তার্থে পুযোগ হয়, তৎকালে তৃতীয়
পুরুষীর ক্রিরাপনের সহিত অনিত হইয়া থাকে, যেমন
আপনি কোথায় যাইতেছেন ইত্যাদি, এবণ উহার রূপ
আনি ইত্যাদি পুতিসণ্জার ন্যায় হইয়া থাকে, যেমন
একবচনে আপনি, আপনাকে, আপনাতে, আপনার।
বছবচনে আপনারা, আপনাদিগকে, আপনাদিশের।

(भी के क्षेत्र) कहा ।

158

ज्बीय भितिष्कृत।



सन्तिक वित्निव्।

य मक्त विरमयन्त्रम कालम्बस्य ग्राज्यस्य विषय অথবা অবস্থাকে প্তিপন্ন করে তাহাকে গুণাত্মকবিশেষণ कहायात्र (यमन छाल, मन्द्र हेळासि । धि छनाञ्चक বিশেষণাদক বিশেষ্যের পূর্বে যুক্ত হইয়া তাহার গুণকে .का.क. विश्वास कथन छेङ इंब-(यंगन व्ह मनुवारक नवान কর, আরু কথন উহ্য হর-যেক্ষ বড়কে নান্য কর, অর্থাৎ বুড় মনুষ্যকে শান্য কর। যখন বিশেষ্য শক্তের পূর্বে ওণা-**ত্মক বিশে**ষণের পুয়োগ হয় তথন সমাল হইয়া একপদ रहेत्र। থাকে। কিন্তু সংস্কৃত গুণাত্মক বিশেষণশক্ষে अनियम नर्यमा थारक ना अर्थाः निक्रां कराहिर मृचे इस रामन (कार्श) कना।, मुखे। ভाর্যাকে তাগ नहा উচিত,ইত্যাদি। কিন্তু বিশেষ্য শব্দ যখন উক্ত না হয় তখন কি সংস্ত কি ভাষা গুণায়ক শব্দ সকলের ৰূপ পূর্ব্বোক্ত বিশেষ্যশব্দের বংশের ন্যায় গৌডীয় ভাষাতে ও रहेशा थारक।

একবচন বৃদ্ধ ৰড়কে

মড়তে

न्युन

বছবঁচন বড়রা বড়মিগকে

বড়দের

CHIP AND PORTS

भूजभन वर्ष्क हैराब समें छ वे भूकात रहें।

क्ष क्षुप्रदर्क

ব্দুতেরা ব্দুত্রদিগকে

कुरम्-कूरम्रह कूरम्ब

क्छिमिरशञ्च

গুণাত্তকশব্দ কি ভাষা কি সংকৃত যাহা ভাষাতে ग्रवहार्य इस छारा नवुक शूर्त्वाङ्ग्यर्थ वर् शूर्त्वाङ्ग श्कारत हो, हि, शाहा, धना, धनन, धान, धान, देशके সহিত সংযুক্ত হয় কেন্দ্ৰ বড়িষ্টাক দেও, কিন্তু বিশেষ্য শক উক্ত হইলে ভাষার সহিত পুমোগ হয়-যেমন বড় ঘোড়া টাকে দেও। সুশ্ভূত অনেক বিশেষণ শব্দ যাহা ভাষাতে ব্যবহার্য্য হয় তাহা সংস্কৃত বিশেষণ কিয়া বিশেষ্য শব্দ ইইতে নিজার হয়-যেমল ধার্মিক, অর্থাৎ ধর্ম শব্দ যাহী বিশেষ্য হয় ভাহাত্ইতে নিজাল হইয়াছে, সেইৰূপ মাস इहेट**ल मानिक, ब्लाम हहेटल कानी हेल**ग्रीक। क्षिक ও ধন শকের সমাসে হয়। সংক্ত গুণাত্মক বিশে-युन यथन वावहार्या इस जयन म्यू जिसे नियमानुनादक উত্তরোক্তর প্রণের আধিক। জালাইবার নিমিভ তের 'কু हेरात अध्यान के विस्मान गरमत महिन्द हरेगा थादक। खनविभिक्ते मूहे वस्त्र माथा आकन्ने खनविक

পৌশীর ব্যাকরণ।

বুঝাইতে ভাষার সহিত ভের ইহাল পুরোগ করাযায় এয়ন নাইটান ইইতে রান বিক্ষাত্র । এবং গুণ্বিশিষ্ট **জ্জিকৈকের মধ্যে একের গুণাধিক্য বুক্তিতে 'তম**' ইহার ্সংযোগ হয় যেমন শ্যাম ও রাম হইছে কৃষ্ণ বিভাতম ্ইত্যানি ৷ এইৰূপ অতি, অত্যস্ত, অভিশয়, এই সকল শব্দ গুণালকবিশেষণের পূর্বে পুরোগদারা ওণের আধিক্য বুঝার বেমন অতি সুন্দর, অত্যন্ত মিট ইত্যাদি ৷ বিদ্যমান व्यथ द्विए व, व्या, म, धहे कत् वर्गाष्ठभक व्यात शक्ष वर्णत প্রক্রম অক্ষর ভিশ্ব যে কোন অক্ষরান্ত শব্দের অন্তে পুণ লিজে 'वान्' भारकत्र ज॰ रवाश इस-रयमन ভাগ্যবান, আর জীলিংক ্ৰতী' যেঘন ভাগ্যবতী, ইহা ভিন্নস্থলে 'মান' 'মতী' হয়-যেনন বৃদ্ধিশান, বৃদ্ধিমতী। কোন গুণাত্মক শদের কেবল ওণ অভ **পুত হইলে ভাহার উত্তর সংক্**ত নিয়মানুসারে জ কিয়া ' তা 'ইহার পুমোগ হয় কিন্ত ইহা সংস্কৃত গুলাজক गात्त्र भारतरे भाग रम कमिष्ट धार्याम वावशार्य इहेमी থাকে, যেমন ক্ষুদ্ৰভ্, কুদুতা, বড়ত্ব। কখন সংস্তু নিয়মা-নুবারে আকারেরও পরিবর্ত হইরাথাকে-যেমল খীর इरेफ रेथर्स, मृत इरेफ मोर्स हेर्प्राप्त । अनक्म भूगासक শব্রে আকারের পরিবর্তের বিশেষজ্ঞান সংস্কৃত योक्षाद्वत कानाधीन ।

क्रोंडिय र्गाक्त्रण।

इंडर्थ शतिरक्ट्र 🚏

ক্রিয়াতাক বিশেবণ।

প্রথম প্রকরণ।

যেসকলপদ ভূত ভবিষ্যৎ রন্তনান কাল সহলিত অবস্থাকে বোধ করায় তাহাকে ক্রিয়াক্সক বিশেষণ কহি, যেসন আমি পাঠ করিতে ছি-পাঠ করিয়াছি-পাঠ করিব।

সেই ক্রিয়াত্মক বিশেষণ দুই পুকার হয় এক সকলক ছিতীয় অনুর্মাক। যে ক্রিয়া বর্ত্তা হইতে নিজ্ঞার হইয়া অন্যকে ব্যাপে তাহাকে সকর্মাক কহাবায়-বেমন সেরামাক মারিলেক, আর যে ক্রিয়া নিজার হইয়া কেবল কর্ত্তিত বর্ত্তে তাহাকে অকর্মাক বলাযায় যেমন-রাম মরিলেল। কেই সকর্মাক ক্রিয়া দুইপুকার হয় এক কর্ত্ বাচক দ্বিতীয় কর্মাবাচক। বাক্যন্থ যে ক্রিয়ার পুখোন্যক্রপে কর্তা অভিপ্তে হয় তাহাকে কর্ত্বাচক কহি-যেমন দেবদন্ত মজ্ঞা দ্বেক হয় তাহাকে কর্মাবাচক কহি-যেমন দেবদন্ত মজ্ঞা দ্বেক হয় তাহাকে কর্মাবাচক কহি-যেমন দেবদন্ত নার মজ্ঞান্ত হয় তাহাকে কর্মাবাচক কহি-যেমন দেবদন্ত নার মজ্ঞান্ত মারা নেলেন। সেই ক্রিয়াত্মক বিশেষণ যেমন অবহাবে ও অবহার সহিত কালকে প্রতিপন্ন করে সেই



ক্পী আকে বি অভিপুত পদার্থের সহিত সম্বন্ধণ কছে
বৈষ্ণ দেবদত যাইতেছেন, আনুলে যাইতেছেন এই যে
পাদ সে দেবদত্তের অবস্থা যে যাওল তাহাকে এবং ভাহার
সহিত বর্তমান কালকে এবং দেবদত্তের সহিত ঐ অবস্থার
সম্বন্ধ বুঝাইতেছে ৷

এ সম্বন্ধ বিশিষ্টত হয় তবে ক্রিয়াকে নির্ধারণ প্রকার করা যায়, যেমন আমি যাইব।

यपि तम मध्या व्यन्त मश्चात व्यापना करते जत डोहारक मर्याञ्चन थकात कहि। अञ्चल वारकात मण्यू-ৰ্বতানিমিত্ত অন্য ক্রিয়ার অপেকা থাকে ত্রিমিত পূক বাক্যায় ক্রিয়ার সহিত দৈধ বোধক কোন অব্যয় শক্তের পুরোগ হয়এব পদিতীয় বাক্যীয় ক্রিয়াতে পুয়োজনপ্রতীতি হয়-যেম্ন ত্ৰি যদি যাও তবে আনি ষাইব। নির্ধারণপুক!-রের বর্ত্থান কালের যে প্রকারৰূপ থাকে সেইকাপেই এছলে পুয়োগ হয় কেবল যদি প্রভৃতি শক্তের প্রয়োগ-মাত্র অধিক, কিন্তু দ্বিতীয় বাক্য যাহার ছার। বাক্যেরপূর্ণতা হয় তাহার ক্রিয়াতে ভবিষ্যংকালের ক্প হইবেক, এবং এ বিভীয় বাক্যন্থ ক্রিয়ার পূর্বে তবে, ইত্যাদি শংকর পুরোপ হয় যেমন যদি ভূমি মার তবে আমি মালিব। 🎮 নং এৰণ হলে যদি পভৃতি অব্যয়ের কোণ চ্ইয়া

গে পায় কাকরণ।

থাকে, যেনন তুনি মার জানি মারিব। যদি প্রভৃতি শক্রে বোধনার্থ উত্তর বাকেঃ 'তবে' ইত্যাদি শর্মের প্রয়োগ কথনং হইয়া থাকে, যেনন তুনি মার তবে আনি মারিব, এইরপ দিতীয় বাক্যের পুর্বান্থ তবে ইত্যাদি শরের লোপ হয় যেমন তুনি আনাকে মারিতে ভোমাকে আনি মারিতাম।

যদি সে সম্বন্ধ অনুমতি বোধক হয় তবে সে ক্রিয়াকে নিয়োজন পুকার কহি-যেমন তুমি যাও।

আর যদি সে সম্বন্ধ প্রার্থনার বোধক হয় ভবে ভাহাকে সংযাচন পুকার কছাযায়-যেমন আমি করিব ৷

> আখ্যাতিক বিভক্তি কিয়া শ্রতায়। বিবরণ।

যেসকল শব্দ ধান্তর উত্তরে পুযুক্ত হইয়। নানাবিধ-কালকে পুকাশ করে ভাছাকে আখ্যাতিক বিভক্তি কিন্তু। পুত্যয় কহাযায়।

্বিভক্তি বাচ্যকাল।

ক্রিয়ার শহিত বানাবিধ কালিক সম্বন্ধ বাহা বিভক্তি
নারা পূড়ীত হয় ভাহাকে পুডায় বাচ্য কাল কহি-যেমন
শীকি মারিলাম, আমি মারিয়াছি, আমি মারিব।

(माफीम वजाक्राना

2

<u>শার্রপ</u>

বিভক্তি দারা কাল সমালত ক্রিরার প্থকং পুকার-क्षांख्य कि कि । त्र बांख शोड़ीय डायांड नकाबांख হয়। এ মকল ক্রিয়া বাচক ধাতুর পরে পুতায়ের পুয়োগ इंटेंग्रे थात्क- (यम्न मोत्रुप अहे थांख क्वां मात्रुप ফ্রিয়াকে কহে ভাহার পরে প্তায়ের দারা নানাবিধ পদের क्रमा इस, यथा है, हैय, हैलाय, शुक्राद्यत शुक्रांश मान्न 'ষান্তর,উত্তর **হইয়া ঐ থান্তর** অনভাগের লোপহয় পশ্চাৎ মারি মারিব মারিলাম এই পুকার রূপ সিদ্ধ হয়। ইহার ৰিশেষ বিভারৰূপে পশ্চাৎ লেখা যাইতেছে! প্ৰথম পুরুষ দিতী । প্রুষ তৃতীয় পুরুষ ভেদে পুতায়ের বিপর্যায় হয় ক্স এক বচন বহু বচন ভেদে পুত্রায়ের বিপর্যায় হয়নার্ট বেমন আমি মারি, আমরা মারি, তুমি মার, रङ्गिता गांत, जिनि भारतम, ७ हाता मारतमा अव॰ निरमत পুভেদেও পুভঃয়ের বিপর্যায় হয় না, বেমন ভৈরবী ভৈরব किथा शिला

গৌড়ীয় ভাষায় ক্রিয়া পদকে তিন পুকারে বিভাগ ক্রামায় অর্থাৎ 'অন' যাহার অন্তে থাকে সে পুশুম পুকার হয়-যেমন মারণ চলন দেখন ইত্যাদি। 'ওল' বাহার অক্টে থাকে নে বিতীয় পুকার হয়-যেমন খাওন বাতন ইত্যাদি। 'আন' অন্তে বাহার হয় সে তৃতীয় পুকার, বেমন-বেড়ান দেখান ইত্যাদি। তাহার মধ্যে প্রভেগ এই যে পুথৰপ্রবে পুথন ও দ্বিতীয় প্রকার ক্রিয়ার উত্তর বর্ত্তনান কালে 'ই' প্রত্যের হইয়া 'অন' আর 'ওন' ভাগের লোপ হয়,যেমন-মানি,খাই। আর তৃতীয় প্রকারের কেবল নকারের লোপ হইয়া 'ই' প্রত্যের হয়, যেমন বেড়াই, দেখাই। বর্ত্তনানকালে দ্বিতীয় পুরুষে 'অন' ভাগান্ত ক্রিয়ার 'ই' পুত্যয়ের হানে 'অ' হয়, যেমন মার, দেখ ইত্যাদি। আর 'ওন' ভাগান্ত 'আন' ভাগান্ত ক্রিয়ার 'ই' কার্র স্থানে ও আদেশ হয়, যেমন-খাও, বেড়াও ইত্যাদি।

বর্ত্তমানকালে তৃতীয়পুরুষে পৃথমপুকার জিয়ার ক্ষনভাগের লোপ হইয়া অস্তে এন ' পুয়োগ হয়, যেনন চলেন, দেখেন ইত্যাদি! আর দ্বিতীয় তৃতীয় পুকার ক্রিয়ার ' এন 'আর নকারের লোপ হইয়া ই পুত্যয় স্থানে 'ন ' আদেশ হয়, যেমন যান, বেড়ান ইত্যাদি!

चित्रकात नक्ष्रकात कियात हात्रिपृक्षित्र शांत भूषम भूकः व 'देनाम ' विकीय भूकाव 'देना' पृक्ति भूकाव 'देनन' क्षण्य द्य, यमन-मात्रिनाम, पाद्यमेन, विकारनाम । मात्रिक, पाद्यम, विकारना मात्रिकान, भारेतन, विकारनाम ।

श्रीत श्रीत नर्त श्रीत किया श्रीत श

সংযোজন প্রকারে প্রথম পুরুষে 'ইতাম' দিতীয় পুরুষে 'ইতে' তৃতীয় প্রথম 'ইতেন'' এই নকল প্রত্যয় হয়, বেমন-যদি মারিতাম, মারিতে, মারিতেন।

নিয়োজন প্রকারে ক্রিয়ার স্থায়ি প্রকৃতির পরে বর্ত্তক্রীন কালে ছিতীয় পুরুষে 'জ' কিয়া 'জহ' ইহার প্রয়োগ
কুয়, যেমন-ত্মি মার, মারছ। আর ছিতীয় তৃতীয় প্রকার
ক্রিয়ার 'অ' কিয়া 'অহ' স্থানে 'ও' ইহার পুয়োগ হয়,
যেমন খাও, বেড়াও, ৷

সর্বপ্রবার ক্রিয়ার স্থায়ি প্রকৃতির পরে তৃতীয়
পুরুষে বর্তনানকালে 'উন' প্রত্যয় হয়,যেমন-মারুন,খাউন,
বেড়াউন। স্থার ভবিষ্যৎকালে ছিতীয় পুরুষে সর্বপ্রকার
ক্রিয়ার পরে ইও ' প্রয়োগ হয়, যেমন মারিও, খাইও,
বৈড়াইও।

সংযাতন প্রকারে নির্দ্ধারণপ্রকারের ন্যায় রূপ হয় বেমন আমি খাই, যাই, বেডাই। সর্বপ্রকার ক্রিয়ার াছয়ি প্রকৃতির পরে 'ইতে' ইছার প্রয়োগ হয়, তদ্বারা ক্রিয়ার
নিমিন্তকে বুঝাইলো তাহার নাম চন্তম, আর-ক্রিয়ার
কর্তাকে বুঝাইলো কর্ত্নিই বর্তমান কহাযায়, যেনন
মারিতে কহু, অর্থাং মারিবার নিমিত্ত কহু, আপন পুঞ্কে
মারিতে তাহাকে আমি দেখিলাম, অর্থাং মারণ ক্রিয়া
যে কর্তায় বর্ত্ত তাহাকে আমি দেখিলাম।

সর্বপ্রকার জিয়ার স্থায়ি পুক্তির পর 'ইয়া' পুয়োপ করিলে পূর্বক্রিয়ার অতীতকালবিশিন্ট ক্রিয়াণ ভরকে বোধ করায় ইহাকে ভ্রাচশন্দে কছে, যেমন মারিয়্ গিয়াছে,খাইয়া ঘাইবেক,অর্থাৎ যাওন ক্রিয়ার পুর্বে মারপ ও খাওন ক্রিয়া অভিপ্রেত হয় । সেইকপ ইয়া স্থানে ইলে' প্রয়োপ করিলে অন্যের অন্যক্রিয়ার সম্ভাবনা বুঝায় ইহাকে সম্ভাব্য কহি, ইহার প্রয়োপ অতীত কালে কিয়া ভবিষ্যংক লে হইয়া খাকে কিন্তু তাহার বোধ উত্তর বাক্যন্থ স্মাপিকক্রিয়াদ্বারা হয়, যেমন ভূমি মারিলেপর আমি মারিলাস্ক্রিন মারিলে আমি মারিব।

প্রথম প্রকার ক্রিয়ার স্থায়ি পুক্তির পরে 'আ' এবং দিতীয় পুকার ক্রিয়ার 'ওয়া' পুরোগ করিলে ক্রিয়াকে কিয়া কর্মকে বুঝায় ইয়াকে নাম্মান্ত করিছে মেনন-নারা ভাকনতে, দুপোশাঙ্গাভাক, খাওয়া ছাত্ ভাটা বৃক্ষাইত্যাদি। প্রাণ্ডিয়া শত শব্দের ৰূপ নামের ভাষার হইরা থাকে, বেমন মারা, নারাকে, নারাতে, নারার। শান্তরা, খাত্যাকে, বাত্যাতে, খাত্যার ইত্যাদি।

ু 🕾 মারা ক্রিয়ার কর্মে বছাপি ' কে ' চিছের সংযোগ খ্ইতে পারে তথাপি সমাসিক ক্রিয়ার পুাধান্য পুযুক্ত ভাহার চিত্র গৃহীত হয়, যেমন-দে মারা যাইবেক, এছলে माद्वा क्रियांत्र कर्य (न वहे शान क्रि के हिन्न ना इहेग्रा याहे-বেক ক্রিয়ার ক্র্ডা জন্য কর্তার ৰূপ গুহুণ করিলেক কিন্তু অষ্ট্রতীয় পুকার ক্রিয়ার একপ পুয়োগ হয় না কেবল ক্রিয়া ্মাত্র বোধের নিনিত্ত 'আন'আর 'আনা' পুয়োগ হয়, বেড়ান্ বেড়ানা। সেইৰপ সর্বপুকার ক্রিয়ার স্থায়ি পুক্ডির পারে 'ইবা ইহার পুয়োগ হয় যেমন মারিবা, ইহারও-ভিন পুকার ৰূপ হইয়া থাকে, যথা-মারিবা, নারিবার, সারিবাতে। ধাতর এই তিন পুকার ৰূপ হয়, যেমন মারণ, মারণের, মারণেজে ইত্যাদি ৷ যে তিমপুকার ক্রিয়ার ্ৰূন ওন আন ইহাতে শেষ হয় তাহার কপে পরস্পর শতি অত্প পুডেদ আছে একারণ তিন গণ করিবার বিশেষ ुद्धालन नारे।

নিজন্ত ক্রিকা।

ক্ৰিয়াকৈ নিজন্ত অৰ্থাৎ প্ৰেরণাৰ্থে প্ৰয়োগ করিবার

পুকার এই বৈ পুগমপুকার ক্রিয়ার নকারের পূর্বে 'আ'
বোগ ইয়, যেমন-দেশন হইতে দেখান, করণ হইতে করাব
ইত্যাদি । দ্বিতীয়পুকার ক্রিয়াতে নকারের পূর্বে 'রা'
দিতে হয়, যেমন-খাওন হইতে খাওয়ান । তৃতীয়পুকার
ক্রিয়া নিজন্ত হয় না, যেমন-বেডান । নিজন্ত ক্রিয়াতে
অনিজন্ত কালীন যে কর্ত্তা তিনি যদি কর্মা হয়েন তথাপি
তদন্তঃপাতি অনিজন্ত ক্রিয়াতে তাহার প্রাধান্য নিজন্ত কর্তার
অপুথান্য থাকে, যেমন-তিনি ব্যাক্রণ পড়েন, এই বাক্রের
অপুথান্য থাকে, যেমন-তিনি ব্যাক্রণ পড়েন, এই বাক্রের
তিনি কর্ত্তা এবং পুধান, এবং যখন এ পড়ন ক্রিয়া 'আ'
যোগের দ্বারা নিজন্ত হয়, যেমন-আমি ভাহাকে ব্যাক্রণ
পড়াই, তথকালে 'তাহাকে 'এই পদ কর্মা হইয়াও পড়ন
ক্রিয়াতে প্রধান হয়।

নিজন্ত ক্রিয়ারকাপ তৃতীয়প্রকার ক্রিয়াপদের ন্যায় হয়, বেমন-দেখাই, খাওয়াই ইত্যাদিট

তৃতীয় প্রকার কিয়ার ও নিজন্ত ক্রিয়ার প্রথম প্রকার নামধান্ত হয়ন। কিন্তু দিতীয় তৃতীয় প্রকার নামধান্ত হয়, যেমন-বেড়াইবা, বেড়াইবার, বেড়াইবাতে। বেড়াম অথবা বেড়ান, বেড়ানের, বেড়ানেতে। দেখাইবার, দেখাইবাতে। দেখান, দেখানতে।

शूर्वनकर्णक उमार्वन नकन विरम्पवतर्भ दम्याइवाव

গৌদীয় ব্যাকরণ

বিশিত নারণজিয়ার কপ লেখাযাইতেছে। নির্ধারণ প্রকারে জিয়ারতিনকাল হয়, অন্য কিয়ার সংযোগাধীন বিশ্বিক হইয়া পাঁকে, তাহার কিয়রণ পরে ব্যক্ত হইবে।

निर्धात्रण श्रकात ।

বৰ্ষান কাল।

अकरम्ब एवर् वम्ब ।

আমি কিয়া আমরা মারি, তুমি কিয়া তোমরা মার, তিনি ভিয়া তাহারা মারেন।

যে ক্রিয়া অবাধে হইয়াথাকে সেঁই ক্রিয়াতে বর্ত্তমান কালের প্রয়োগে কখন ২ কালকে না ব্যাইয়া ক্রিয়ানাত্র ব্যায়, বেমন-আমি প্যাতঃকালে পড়ি অর্থাৎ অবাধে প্রাতে পড়িয়া থাকি।

অতীত কাল।

আমি কিয়া আমরা মারিলাম, তুমি কিয়া তোমং মারিলে, তিনি কিয়া তাহারা মারিলেন।

ভবিষ্য ২কাল।

আৰি কিয়া আমরা নারিব, তুমি কিয়া তোমর মারিবে, তিনি কিয়া তাহীয়া মারিবের ৷

(भोषीय गाकत्रवा

ন^বোজন পুকার। ্বৰ মান কাল।

একবচন ও বহুবচন।

যদি আমি কিয়া আমর৷ মারি ৷ যদি ভূমি কিয়া ভোমরা মার। যুদ্ তিনি কিছা তাইার। মারেন।

অতীতকাল!

যদি আমি কিয়া আমরা মারিতাম। যদি ভূমি কিয়া তোমরা মারিতে। যদি ভিনি কিন্তা ভাহারা মারিতেন ঃ স্থ্যোজন পুকারে ভবিষ্যৎকালনাই যেহেত বর্ত্তমানকাল সম্ভাব্যৰূপে ভবিষ্যৎকালকে কছে, ষেমন-যদি আমি কহি, व्यर्था वकरण व्यक्त भन्नकरन यहि कहि।

নিযোজন প্রকার।

বর্ত্রান কাল।

वक्वक्र उ वह्वक्र ।

দিতীয় পুরুষ। তুমি, তোমর। মার, অথবা মারছ।

তৃতীয় পুত্য' তিনি, ভাহারা মারুন !

· ভবিষ্যৎ**কাল**।

তুমি, তোমর। মারিও। ্ৰিতীর পুরুষ[†]

গৌৰীয় ব্যাকুরণক

সংবাচন প্ৰায়। বৰ্তনান কাল। অক্ৰচন বছৰচন।

পুথ্য পুরুষ। আমি মারি, আমরা মারি।

ঐ সংযাচন পুকার বিতীয় অথবা তৃতীয় পুরুষের
উদ্দেশে হইলে নিয়োজন বোধক হয় অতএব ইহার ৰূপ
পূথক হয় না।

भुश्य भूक्य।

ভবিষ্যৎকাল। আনি, আনর। নারিব!

চন্ত্ৰ। মারিতে কন্ত্ৰিত বৰ্তমান। মারত, মারিতে২

ভাচ। নারিয়া সম্ভাব্য ক্রিয়া। নারিলে পুথম দামধার ।

শানা, মারাকে, মারাতে, মারার ৷

भोनीय राक्त्रभः

দ্বিতীর দাসধাত। শারিবা, শারিবাল্ল-মারিবাতে, শারিবার।

ভূতীয় নামধান্ত !

মারণ, মারণকে, মারণে-মারণেতে, মারণের।
আছন-সংকারি ক্রিয়া, ইহার সংপূর্ণ রূপ হয়না
ক্রেবল নির্ধারণ পুকারে বর্ত্তমান ও অতীতকালে রূপ হইয়া
বাকে।

নির্ধারণ প্রকার।

র্ভমান ৷

ু শানি, আমরা আছি। তুমি, তোমরা লীছ। তিনি, ভাষারা আছেন।

অভীত কাল।

আমি, আমর। হিলান। তুমি, তোমরা হিলে। তিনি, তাঁহারা ছিলেন। অভীত কালে আছেন ক্রিয়ার আকারের লোগ ইইয়া পাকে কিন্তু পদেন পায় হয়ন।

হওন, যাওন এই দুই ক্রিয়া যাতা দ্বিতীয় পুঁকার ক্রিয়াতে গুণিত হয়, ইবার নানাবিধ অর্থে ছুলি পুয়োগ হইয়াখাকে, একারণ পৃথক ক্রিয়া ক্রপ করাবাইভেচে !

শৌদীয় ব্যাকরণ।

इंडन किंग्रा।

নির্ধারণ প্রকার !

হৰ মান।

আমি, আমরা হই। তুমি,ভোমরা হও। তিনিভোষার হয়েন।

অঠাত কাল।

ু আমি,আমরা হইলাম। তুমি, তোমরা হইলে। তিনি, ভাঁহার। হইলেন।

फिशा भान।

শামি, আমরা হইব। তুমি, তোমরা হইবে।তিনি, ভাঁহারা হইবেন।

সংযোজন প্রকার।

वर्खभान ।

যদি আমি, আ্মরা হই। যদি জুমি, তোমরা হও যদি ভিনি, তাঁহারা হয়েন।

অভীত কাল।

যদি আনি, আমরা হইতাম। যদি তুমি, তোম: ছইতে। যদি তিনি, তাঁহারা হইতেন।

পৌশ্বীয় সাকরণ।

43

निर्याजन शुकात ।

ৰত মান।

' তুমি হও, তিনি হউন।

ख्विश्र कान।

তুনি হইও।

ৰংযাচন পুকার!

वर्खमान काल।

व्यामि, वामना इहे !

ভবিষ্যৎ কাল।

শানি আমরা হইব।

Бख्य 1

इड्रेड !

কভূ নিষ্ঠ বৰ্ত্তমান ৷

रहेर्जर, इंडज!

ক্র'চ।

হইয়া ৷

সম্ভাব্য ক্রিয়া !

े इहेरन !

প্রথম নীমধাত। হওয়া, হওয়ার, হওয়াতে ।
বিতীয় নামধাতু। হইবা, হইবার, হইবাতে।
ত্তীয় নামধাতু। হওন, হওনের, হওনেতে।

रनोक्षेत्र युगकत्रनी

নিৰ্যাপন প্ৰকার । ৰাজ্যান কাল !

আফি, আসরা বাই। তুমি, তোমরা বাও। তিনি, ভাঁহারা ফায়েন।

নির্ধারণ পুকারে অভীতকালে আর সন্তাব্য ক্রিয়াতে আই ইহার স্থানে 'মে' আইদেশ হয়, আর জ্বাচে 'লি' হইয়া-আকে কিন্তু অন্য ক্রিয়ার সংযোগ বিনা 'লি' আদেশের শিজ্যতা নাই, বেমন-লিয়া কিন্তা যাইয়া।

অতীত কাল।

শ্বামি কিয়া জামরা গেলান। তুনি, কিয়া ভোমরা গৈলে। তিনি কিয়া তাঁহাঁরা গেলেন।

ভবিষ্যৎ কাল।

্রি শামি, আমরা বাইব। তুমি, তোমরা হাইবে। তিনি, ভোঁহার। যাইবেন।

नश्याजन क्षेकात ।

বস্তমানকাল।

ৰদি আৰি, আমন। নাই। মুদ্ ভূনি, তোমনা বাও ঃ বৃদ্ধি ভাষারা বারেন।

क्षिकाम राज्याना



অভীত কাল

যদি আনি, আমরা যাইতাম ৷ বদি ভূনি, তোমরা যাইতে ৷ যদি তিনি, তাঁছারা যাইতেন ৷

किशाजन धकाता।

बहुशान।

ত্নি, ভোমরা যাও। তিনি, তাঁহারা যাউন।

ভবিষাৎ কাল।

ভূমি. তোমরা যাইও।

দংযাচন প্রকার।

व्यामि, व्यामन्ना गाँहै।

ভিনিষাৎ কাল।

व्यामि, व्यागता शहित।

চন্তম।

ষাইতে।

কত্নিই বন্ত মান।

यहिर्दर, याउठ!

ख्या ।

शिया ज्या गरिया।

সন্থাব্য-ক্রিয়া।

যাইলে, সেলে।

लोषीय वर्गकत्रमः

নাখ্য নামধাতু। বাজরা, বাওয়ার, বাওয়াতে।
বিজ্ঞান্যমধাত্ । বাইবা, বাইবারে, বাইবাতে।
ভূমীর নামধাত্ । যাওন, বাওনের, যাওনেতে।

नश्द्याश क्रियो : . .

ক্রিরাপদে কর্ত্নিও বর্ত্নানের এব ও জ্যাচের কালপত কোন বিশেষ জানাইবার নিমিত্ত আছন এই সহকারি
ক্রিয়ার সংযোগ হর তৎকালে আছন ক্রিয়ার আকারের
লোশ হইরা থাকে, যেমন-মারিতেছি-অর্থাৎ নারিতে এবং
আহি এ দুইয়ের সংযোগে নিস্পন্ন হইয়াছে। স্পর্টাতে
ছিলাম-অর্থাৎ নারিতে ও আছিলামের যোগেহইয়াছে।
শারিয়াছি-অর্থাৎ নারিয়া ও আছি এ দুইয়ের যোগে
ছইয়াছে। মারিয়াছিলাম, মারিয়াও আছিলাম ইহার
সংযোগে হইয়াছে। এই চারি পুকার সংযোগ ক্রিয়ার
নির্যাহণ পুকারের যে তিন কাল পুর্ষে কহিয়াছি ভালা
ছইতে অধিক চারি কাল রূপে সাধারণ ব্যবহারে আইনে,
বস্তুত ইহা ক্রিয়ায়্রের সংযোগে হয়, পৃথককাল নহে।

ै निधीत्व धकातः। यद्धीम कान ।

মারিতেছি, মারিতে আর ছি অর্থাৎ কিয়ার আরস্ক ইইরাছে সমাপ্তি হয় নাই। আমি, আমরা মারিতেছি। ছুনি,ভোষরা মারিতেছ। তিনি, তাঁহারা মারিতেহেন।

त्याचीय द्याच्या



অতীত কাল।

বিতীয় পুৰার কাল। বারিতে হিলাব, অপুন্ত বারি-তেওছিলান এ দুইরের সংযোগে হয়, কলত অতীত কালে ক্রিয়া উপাক্ত হিলাবাহা সম্পূর্ণ না হটুরাথাকে অথবা সম্পূর্ণ হইয়াছে কিলা এমং অভিপ্রেত নাহয়। আরি-আমরা মারিতে ছিলাম। তুমি, ভোমরা মারিতে ছিলো। ভিনি, তাঁহারা মারিতেছিলেন।

তৃতীয় পুকার কাল। মারিয়াছি, অর্থাৎ অতীতকালে ক্রিয়ার সম্পূর্ণতা হইয়াছে। আনি, আনরা মারিয়াছি। তুমি, তোমরা মারিয়াছ। তিনি, তাঁহারা মারিয়াছেন।

ठेखर्थ शुकात काल। मातियाहिलाम, मातियाछ हिला-त्मित्र म्याहिलाम हम्न, व्यर्थ किया व्यक्ति काल मिल्मित्र हर्षे याः ह किस ठाहात शत क्रियाखरतत महावन वाहि, दिन्न मातियाहिलाम त्म लक्ष्ता शहेल ना। व्यक्ति, व्यक्ति मातियाहिलाम । कर्ज् मिके वस्त्रमान छ क्लाहित महिलाम। क्रिक्ति वस्त्रमान छ क्लाहित महिलाम। कर्ज् मिके वस्त्रमान छ क्लाहित महिलाम। कर्ज् मिके वस्त्रमान छ क्लाहित महिलाम । कर्ज मिके वस्त्रमान छ क्लाहित कर्ज महिलाम । कर्ज मिके वस्त्रमान छ क्लाहित कर्ज महिलाम । कर्ज मिके वस्त्रमान छ क्लाहित कर्ज महिलाम । कर्ज मिके वस्त्रमान छ क्लाहित छ क्ल

रगोषीय वशक्तका

কলি ইহার যোগে সরিয়াকেলি, নারিতেচাহি, ইহা সারিতি

ক উন্দেশ্ব অনুইরের সংযোগে হইসাছে। যাইতে পারি,
কার্নিই কাইতে ও পারি ইহার সংঘাগে হইয়াছে। মারিতে
কার্নি, কার্নিই ক্রিলিডে আরম্ভ করি! কিন্তু ইহা লিন্তু পুরোল ক্রিছে। মারিয়া থাকি, অর্থাৎ সময়েৎ মারি, মারিডে যাই।
ক্রিছেপ কর্ব সক্ষি ক্রেল সালাক্রিয়ার কপ হইতে পারে
ক্রেপ্রত্ব ভরিনিতে পৃথকং ক্রিয়া পুকারের কাধিকা করণে

এক কাল ছানে জন্য কালকে কখন হলকা করিয়া ব্যবহার করাযায়, কিন্ত পুকরণদারা তাহার জান হয়, কামন জার আসিয়াছে, ইহার উত্তরে ' আইল' ইহা বর্ত্ত-স্থান কাল ছানীয় হয়, অর্থাৎ জার আসিতেছে। আর, যে পুরুত্ত জানি থাকি সে পর্যন্ত তুনি থাকিবে, এছলে থাকি ইহা রর্ত্তমান কাল হইয়াও তবিষ্যংকাল হানীয় হইয়াছে, আর্থাৎ যে পর্যন্ত আমি থাকিব লে পর্যন্ত তুনি থাকিবে। আপিন করিবেন অথবা আপনি দিবেন, ইহা ভবিষ্যৎকাল ক্রিয়াও স্থানছলে বর্ত্তমান জন্ত্রাকে বুঝায়, অর্থাৎ আপনি করেবেন অথবা আপনি দিবেন, ইহা ভবিষ্যৎকাল ক্রিয়াও স্থানছলে বর্ত্তমান জন্ত্রাকে বুঝায়, অর্থাৎ আপনি ক্রেন, অগিনি দেউল। ইহাতে বিশেষ কলে মানোলোগ করা ফর্ডন্য যে স্থান অভিপ্রেত হইলে বিভীয় পুরুষ শ্লুমি ইহার ছালে ভ্রান্ত পুরুষ আপনি অথবা

बर्गाभव है ज्यानि शुरवान कहारा व तन क्यम जिल्हा शुरवान ्रिकोश शुक्ररवज्ञ **इरेरवक, स्था-जाशनि विका**र्यम कविग्राह्म, चराँ पृत्रि सिवाह, कृति कविष्ठि । धर्मा एक्टा चिंदिनुष इरेशक कर्मन कृति चार्कि कृते चार्रम रत, देश क्ष्मुर्च उत्त्र कता भित्राष्ट्र, देशकेमहिन चित्र যে ক্রিয়া তাহার বিভাজের পরিবত হয়, বভ নানকারে দিতীয় পুরুষীয়ক্তিয়া 'অ'এবং 'ও' ছানে 'ইন্ कारमण रहा, रायम जूनि यात्र, अञ्चल जूरे, मातिम् षाष्ट्र हारन वाहिन्, शाब--थाइन, त्रशंह-त्रथा-हेन्। तिहेबल न्यानि भुकाद्वि कानित, वर्धा ভাহার 'অ''ও''এ' ছানে ইস্ হইয়াথাকে, যেমল যদি তৃষ্মির ইহার ছানে যদি ত্ই মারিদ, যদি তৃষি यां व हेरात शास्त यहि जूरे बाहेन्, बहेनने औरतांन रहेन्न ,थात्क, यन जूनि मातिए रेशांत शांत यन जूरे मातिरिंग् এৰপ কহাযায়।

व्याप्त कार्य कार

^{🌲 🐠} भाज

.53

कारिक क्रिके, वाहिना क्रिके क

निक्शिक्त श्रकाद्य भाषत्र श्रद्धात्र काश रुप्त, (यमन क्षेत्र श्राम माने, थोड न्हारन थो श्रद्धां गरदेश थारक।

্ ভবিষ্ণকালে অস্তঃ হর স্থানে 'স' আদেশ হইয়া শ্লীকে, বেনন নারিও ইহার স্থানে নারিস্ কহাযায়।

ক্ষাৰ ক্ষেত্ৰ বোধক প্ৰয়োগ সকল নিখনে কদা চব্যৰ-ক্ষাৰ হয়না কৈবল অভিনাদি প্ৰভুৱা কথোপকথনে অথবা ক্ষোধাৰেশে শ্ৰহার ক্ষিয়া থাকেন, অভতৰ নালাজাতীয়া প্ৰয়োগদারা পুষ্মের সম্পূৰ্ণ নুৱোধে স্পৃহীত হইকা

ক্ষীয় পুক্ষের উল্লেখসময়ে ন্যাল অভিপ্রেড লা ক্টলে ঐত্তীয় ব্যক্তি ছালে সে,ও, এ,যে,ইহা প্রেগ ক্রানায়,"(বাহা পূর্মে কহা পিরাহে) এবং তৃতীয় পুর বীয়

বিশ্বা কাহার কহিছে অন্তিত হইলে বিধায়ৰ ও বা-বোলন धकारत वर्जमानकारक नकारतत लीम इरेरवक, व्यव-পতীতকালে নকারের পূর্বস্থিত একার অকারে প্রার্থিত रक्ष, रयमन वर्डमान काटन मारतम रेराज हात्म मारत, मातिर उर्हन देशोत चानि मोतिर उरह देश अध्यक्ति इसे । अठी ठकाल - मात्रिलन हेशा आति नात्रिल, गातिए-हिल्लम इहात द्वारन मातिः छहिल, आत मातिशाहित्नन रेश्व चान मानियाहित। ভविष्यकारत मानियन रेश्व इात्न मातिरवः मातिन्नार्यन-वर्जमान कारणत धरत्राभू मातिशा चात चाष्ट्रम हेरात म्यास्य रहा, अनिमिष्ड क्वित नकारतत लाले इत, वेकात ছान् चकात हत मा, व्यव्यव मातियां इन हेरांत्र द्यान मातियां है अबूश करा यात्र। किस विस्मय करे य मनुषा कर्ला इरेटन कुछ्छ वाध हरेवक, भ्यामि कर्डा हरेक सञ्चादक एक शक्त পুরোগ হইবেক।

नियाजन क्षकारत वृजीय शूक्षण चन्ना नकावण्याम क चारमण रह, रयसन मोकन देरात चाकक श्राप्ताप्त रहेता थारक।

क्षम विश्वादकारम ७ वडीक्यारम क्ष्मीहरू प्रत् कृष्टका व्यवस्थित हरेटन मनोह हात्म क व्यार्थन स्था ह्मान शांकिया अव्यान गांकित्य के वांकित अरे केवत क्षेत्रक क्षत्र्यान रूप, जांक शांत्रित्यम अव्यान गांतित्यक क शांत्रिण क्षत्राम रूपेया क्षत्रिक

বে ক্রিয়ার প্রকৃতি কবিছেবে উচ্চারিত হয় অথবা বিচ্ছেব্রার বে ক্রিয়ার প্রকৃতি উচ্চারিত এবং নকারান্ত হয় কিন্তু নেকার বপকালে থাকে না ভাহার বর্তনান কাল্পের ভৃতীয় পুরুবে নকারস্থানে ভূক্ত্ত্ব অভিপ্রেত হইলে য়' আদেশ হয়, বেমন থান স্থানে থায় প্রয়োগ হয়, যাওন হইতে যান ভাহার নকার স্থানে শ্বর' আদেশ হয়, যাওন হইতে যান ভাহার নকার স্থানে শ্বর' আদেশ হয়। বায়া প্রয়োগ হয়, সেইবর্প কামান ক্রিয়ার

নিজন্ত বাবৎ ক্রিয়ার বিচ্ছেদ্যয়ে উচ্চারণ হয় এপ্রযুদ্ধ প্রাথহিত পূর্ব লিখিত নিয়নের অন্তর্গত হইল, যেনল বিশ্বা ক্রিয়া হইতে দেখান ইহার ছালে 'দেখায়' হয়, কিন্তু বে ক্রিয়া দুই বিচ্ছেদের অধিক বিচ্ছেদে উচ্চারিত হয়, যেনল সামাল্য এসকলকে পূর্বা লিখিত সর্ব নাধারণ নিয়নের অন্তংগাতী জানিবে, অর্থাই ব্রুদ্ধানকালে ত্তীয়গুরুবে ভুক্ত্ব অভিপ্রেত হইলে কেবল লকারের লোপ হয়, যেনল বাখানেল ইহার ছালে বাখানে, আর জালালেল ইহার ছালে লাল্ডল, অন্তর্গনান ক্রিয়া शास्त्र । वृजीत शूक्रसत्र वृक्षस्य स्थिति हरेला, त्यः ॥, ॥, स्व, देखादित कृति शुर्ताण हरेता शास्त्र अकात्रम् देशत गरिक समुक क्रितात्रध वस्तुकात शतिवर्त स्त्रः अमिनित देश विश्ववर्त्तश निश्विष्ठ हरेन ।

আনি ইহার ভালে ইভর লোকে মুই কহিয়া থাকে, কিন্তু ইহার সহিত অনুত ক্রিয়ার নগের পরিবর্ত হয় আরু যেমন আমি মারি, অথবা মুই মারি, আমি অথবা মুই মারিলাম, আমি অথবা মুই মারিব, অভবৰ ক্রিবরে অধিক লিথনের পুরোজন নাই।

হইতে ও হইয়া আর বাইতে ও গিয়া ইহাদের
আছন ক্রিয়ার নহিত সংযোগ হইলে অন্ত চারি প্রকার
প্রয়োগছর, গ্যেমন হইতেছি ও বাইতেছি ইত্যাদি।
হইতে ছিলাম ও বাইতে ছিলাম ইত্যাদি। হইয়াছি ও
গিয়াছিইত্যাদি। হইয়াছিলাম ও গিয়াছিলাম ইত্যাদি।

অভাবার্থ।

গৌড়ীরভাষাতে নির্ধারণ প্রকারে ক্রিয়াপদের করে।
না' সংযোগদারা অভাবার্থ প্রতীত হয়।

বর্তমান কাল।

আমি আমরা করিনা, তুনি তোমরা করুরা, তিনি ভাষারা করেন না, উক্তরপে এইবর্ত্নাদকাল অভীতকালের

(मेमीय वृत्रकारी)

बार्य के बार्य कर त्यान मासि करिया, चर्चार नाम कार्य कर चर्चार करिया कर

নিযোজন পুরারের বর্ত্বান কালীয় জিয়াতে 'না' ুপুয়োগু ছইলে এ কিয়াতে বক্তাৰ পূৰ্যনা অভিপ্তে হয়, বিদলকরনা, অর্থাৎ আমার পার্থনা এই যে ভূমি এ কর্মা ক্র,করুন না, অর্থাৎ আমার পার্থনা এই যে তিনি করেন, क्षि वि:योकन शुकारमञ्ज ভविष्यश्कारमञ्ज क्रियारण 'मा स्भारतीय स्रेटन वर्जमान कारनद्वाध निरवध अखिरशुंख हरें-্ৰেক্, যেম্ন করিওনা, যাইওনা, অর্থাৎ একণেও না যাও, িপারেও না যাও। নির্ধারণ ও নিযোজন ও সম্যাচন পুকা-রের ক্রিয়া ব্যতিরেকে সর্ব্বর 'না ' ইনার সংযোগ পদ্যে शांत्र इत्र ना शृद्ध इत्र, स्वमन यनि ना इत्र यनि ना यात्र ুনাকরিতে নাকরিয়া নাকরিলে নাকরা ইত্যক্ষিতি কেবল ্দ্ৰ-যোজন পুকারে পুথম ক্রিয়ান পূর্বে পান 'না 'আলিয়া बार्क, बात्र शरतत्र किशास्त्र शात्र बार्टरन ।

আৰি বা হাই জবে ছিলি আৰিবেন সা, যদি আমি তোখাকে বা দেখিতান তবে তুনি আসিতে না ।

আছি, আছ, আছেন এই তিন বর্ত্তমানকানীয় পদের
অভাব অর্থ অভিপুত্ত হইলে কেবল 'নাই 'লফ' পুরোগ্ধ
হয়,যেমন আনি নাই, তুমি নাই, তিনি নাই। নেইৰাণ
নহি 'নহে' এবই লফ ক্রিয়ার অভাবার্থে বর্ত্তমান
কালীয় পুথমপুরুষ হ'নে ব্যবহারে আইনে, 'নহ' 'নও দিতীয় পুরুষ হানে, 'নহেন' 'নন' ইহা ভ্তীয় প্রুষ হানে ব্যবহার করাষায়, যেমন আনি নহি, আনি নই, তুমি নহ, তুমিনও, তিনি নহেন, তিনি দন, ইত্যাদি।
কর্মনি হাচ্য।

সকর্মক ক্রিয়ার কর্মপদ কর্পদ স্থানীয় হয়, যেমন
তিনি ধরাগেলেন, গৌড়ীয় ভাষাতে অন্যহ সাধু ভাষার
ন্যায় কর্ম প্রয়োগে পৃথক ক্রিয়াপদে হিশেষ নাই, কিছ
সকর্মক ক্রিয়ার কর্ম পদের বিলেষ্ণকপে মারা ধরা
ইত্যাদিকে যাই ইত্যাদি ক্রিয়ার সহিত সংযোগ করিয়া
সেই অর্থকে সিদ্ধ করে। যে সংজ্ঞা কিয়া পৃতি সংজ্ঞা যাই
কর্ম কপে ক্রিয়াপদের সহিত এক প্রাথক ভাষারই সহিত
যাই ক্রিয়ার তাবং কালের পুত্রেক পদে অনুয় করাযায়,
বেনন নির্ধারণ পুকারে, ভানি মারা যাই, তুনি মারাষ্টে,

MATE STATE

विक्रियां याम । जाकि यहा रशनाम, छ वि वहारगरण, किनियहारशरणमा । जानि यहा याहेर, छ वि वहारगरण, किनियहारशरणमा । जानि यहा याहेरछहि, जानि यहा याहेरछहि, जानि यहा याहेरछहि, जानि यहा याहेरछहि, जानि यहा शहाहिवान । न-र्याणम गुकारहा , जाणि कारण जानि यहा याहेछान हेछ। वि न-याहन भुकारहा जानि यहायाहै जानि
यहा याहेरा

निर्याजन अकृति ।

বর্তমান। তুমি ধরাযাও, তিনি ধরা যাউন। ভবিষ্থা তুমি ধরা যাইও।

চতুম ও কর্নিষ্ঠবর্তনান।

१ करे हैं कि एक प्र**अंश माहेरछ।**

্ৰিত। খনা গিনা।

मश्राय किया।

श्रद्धारशरम ।

ৰ্ষণ নামধাত। ধরাবাওয়া, ধরাবাওয়ার, ধরাবাওতে। বিভীত নামধাত্। ধরা যাইবা, ধরাবাইবাতে, ধরাবাইবার। কুমার নামধাত্। ধরাবাওন, ধরাবাওনের, ধরাবাওনে। বৃদ্যপিও অকর্মক ক্রিয়ার কর্মপদ নাই, কিন্তু গৈড়ির ভাষাতে তৃতীয় পুরুষের দ্যায় রূপ হইয়া থাকে, যেমন চলাযায়, খাওয়াযার, বসাযায় ইভ্যাদি। চলাযায় ইহা পুায় চলা যাইছে পারে ইহার সহিত সমানার্থ হয়। চলাগেল অর্থাৎ চলন ক্রিয়া সম্পন্ন হইল।

এই ৰূপ পদ সকর্মক খাতু ছইতেও নিম্পায় হয়, যেখন করাযায়, মারাযার, ইহাও কেবল তৃতীয় পুরুষের ন্যায় হইয়া থাকে, অর্থাৎ কেবল ক্রিয়া নিম্পায়মাত্র ছইল ইহা বুঝায়। কর্মণি বাচ্যে বিশেষত ভবিষ্যৎকালে, ক্রিয়াকর্তার উল্লেখনা হইলে উত্তম পুরুষই পুায় ভাছার কর্তা বোধহয়, যেমন-টাকা দেওয়া যাইবেক অর্থাৎ আমার দারা টাকা দত্ত হইবেক ইত্যাদি।

যুখন দিকর্মক ক্রিয়াকে কর্মণি বাচ্যে ৰূপ করাযার,

ক্র যোছার বিবরণ করা গিরাছে > তৎকালে বে

মুখ্য কর্ম অভিপুত হইবেক, ভাছাই উক্ত হয়, আর্ম

বিভীয়কর্ম কর্মপদের ন্যায় থাকিবেক, যেমন রামকে

টাকা দেওয়াগেল, এ স্থানে টাকা বে মুখ্য কর্ম ভাছাই

উক্ত হইল, 'রামকে' যাহা দিতীয়কর্ম হয়, সে পূর্ক্বই

থাকিল।

^{# +} शृश्वत १८ शशक्रिक

পৌছীয় ব্যাকরণ।

fage |

विश्वष्ठ विश्वासकरण अप कल् वार्टा व निश्वत्त्र के काराज विश्वत्त्र के काराज विश्वत्त्र के कार्ति वार्टा ठाइना कार्याण भूष्ट के कार्ति वार्टा ठाइना वार्टा ठाइना वार्टा वार्टा ठाइना ठाइना वार्टा ठाइना ठाइना वार्टा ठाइना ठाइना

মরণ কিয়া ব্যতিরেকে যাঁবিৎ অকর্মক ধাত আছে
চাহার কর্মা বি ক্রিয়ার নিজন্ত অবস্থার কর্মাহয়, যেনন
ক্রিমা চলেন, রামকে চালাই। সেই ক্রপ সকর্মক ক্রিয়ার
ক্রিমা নিজন্ত হইলে তাহার কর্মাহয়, যদি এ
ক্রিমা করণ হয়, যেমন রাম খান, আমি রামকে খাওহাই, এ স্থলে খাওয়ান ক্রিয়া রামকে ব্যাপিয়াছে একাহণ রাম কর্ম হইল। রাম ঘট গড়েন, আমি রামের হারা
হট গড়াই, এ স্থলে পড়ান ক্রিয়া রামকে ব্যাপিলানা,
ক্রিমিত্রাম করণ হইল।

कियात चानियत 'रे' किया 'উ' इरेल जारात निकल जात्राय 'रे' अकारत, 'উ' अकारत शतिपुर्व र्य, रायम निभि, लाथारे, উঠি, ওঠাই ইত্যাদি।

 [■] इर मृत्येत २० शर्किरेक्

लोची दाका।

ब्रिय शक्रव ।

्वित्रात व्यवस्त्रत भूक डेकाइन बाह्य भूरमंद्र भूषी छ इहा, किहाब आकारतत भूएएर किहा अन्। काम ख्राय किया काम भग मन्यालात शुरुवाकन तार्यमा त्यमन जूनि याँहर्ज्छ । जूनि शिशां छिटल । जांत्र कथन अभेन দ্যোতক শব্দ ষে 'কি 'তাহা ক্ৰিয়ার পূৰ্বে কিয়া পৰে কখন বা ক্রিয়ার পরে 'কিনা' অথবা ক্রিয়ার পুষে 'কি অন্তে না' কিয়া ক্রিয়ার অন্তে কেবল না' শব্দ নি:কেপছাবা পুলের পুতীতি হয়, যেমন তুমি কিযাবে। তুমি যাৰে কি। তুমি কিনা যাবে। তুমি কি যাবে না। তুমি যাবে ন। আরকি ছানে কখন 'নাকি' প্রয়োগ করাযায় যখন পুশ্ন কর্ত্তা ক্রিয়া বিষয়ের কোন উল্লেখ জানিয়া থাকে,যেমন-জুমি নাকি যাবে। অর্থাৎ তোমার যাইবার কথা পূৰ্বে শুনিয়াছি তদৰ্থে পুশ করিতেছি।

কখন ক্রিয়া দ্বিরুক্ত হয় তাহার এক ভাবার্থে দ্বিতীয় অভাবার্থে হইয়া থাকে, আর পুন্মের দ্যোতক কি শব্দক তাহাদের মধ্যে রাখাযায়, যেনন তুমি মাবে কি না যাবে অর্থাং তুমি যাবে কিনা।

্নিয়মের অভিক্রম।

থাকন ক্রিয়ার ভবিষ্য কাল যদি অন্য কোন ক্রিয়ার ভাচের নহিত সংযুক্ত হয় তবে অতীত কালের ক্রিয়োৎ- প্রতিকাশ কাশ কলে কৰে, কেন্তুৰ পানি তাহাকে নারি-কাপাকিব, পর্থাৎ প্রামার অসুনান হইতেতে বে আবি ভাহাকে নারিয়াছিঃ

📆 আইসন ক্রিয়ার ইকার চ্যুত 🖚, বেমন আমি আসি णाम, व्यामि व्यानिव_{र्क} किन्छ निर्धात्र शुकारतत वर्छमान क्षांकः अवर निर्याचन भुकारततः वर्धन विकीय भूकरव ইকারের চুটত হয়না, যেমন আমি আইনি, তুমি আইন ভিনি আইনেন। সেইৰূপ আইনন ক্ৰিয়ার 'ন' কথোপ কথনে অতীত কালে এবং সম্ভাব্য ক্রিয়ার ভূরিস্থলে लान इंसे, रयमन चामि चाइलाम, जुमि चाइरला। प्रथन ক্রিয়া ইদ্পেও হিতীয় পুকারীয় হয় তথাপি ইহার স্থানে मन् बौरमम श्रेया क्षेत्र, यमम चामि मि, चामि निवास, কিন্তু নির্ধারণ পুকারে বর্ত্তমান কালে বিভীয় তৃতীয় পুরুষে वात नियाजन श्कारत ७ नाम थांड शर शृरस्त नियमा-म्जाद्ध बर्भ इहेश्रा थाटक, ध्यमन मि, एनन, एस्स, एस्ड, (मर्डेन **६ (मर्डेक, (म**ङ्ग्रा) (न्हेंक्ल न्डिन वर्शर श्रह्न কিয়া ধরণ তাহার, কণ দেওন ক্রিয়ার ন্যায় জানিবে, अर्था शृत्क व लिथिए यान नकत्त्र मन् आरम्भ इय, विमन अविकास मिन मिनाम, आमि निव, बदर लंख, लिखेन

CHARLE STREET

न्यन शहर किया जम्मी कांद्र कवनशाश विकीय धाका-बीय थाल इया करावर करन्याद्व कर्ण रहेया थाटकः व्यवस्था गहे, गल, गन हेलाहि।

কোনং ক্লিয়ার পূথ্য হার উকার, নির্ধারণ পুকারে
বন্ত মান কালের তৃতীয় পুরুষে ও নিয়োলন পুকারে হিতীর
পুরুষে এবং নামধান্ত পদে ওকারের সহিত পরিবর্ত হিরী
বেমন সে থোর, তুমি খোও, খোয়া, ইহা ধুওন থান্তর ক্লা
হইল। পেওন বিতীয় পুকারীয় থান্ত হয়, পরের লিখিত্ত
পদের রূপ হইয়া থাকে, যেমন পেও, পিতেহে, পিতেহিল,
পিয়াছে, পিয়াছিল পিবেক, পিয়া পিলে, পিবার। এই
সকল হলে দেওন ক্রিয়ার ন্যায় ইহার রূপ হইয়া থাকে।

পঞ্ম পরিছেদ i

ক্রিয়াপেক্ ক্রিয়াস্ক বিশেষণ।

যে সকল বিশেষণপদ ক্রিয়াগতকালের সাপেক হইয়া বস্তুর কাল সংক্রান্ত অবস্থাকে কহে তাহাকে ক্রিয়া-পেক্ষ ক্রিয়াত্মক বিশেষণ কহা যার,যেমন তিনি পাঠকরত বাহিরে গেলেম অর্থাৎ ক্রিনি এই ক্রুপিদ পঠন ক্রিয় মাপেক হইয়া গমন বিশিষ্ট হইলেন।

শৌদীয় তাকরণ।

গৌড়ীয় ভাষাতে সকর্মক ক্রিয়ার সহিত পা কর। প্রা পুডায়ের যোগ হইলে সেই ক্রিয়ার কর্ম পুতীভি ব্যু, যেমন মারা পড়িল, এন্থল মারা এই পদ কর্ম।

कथन भी कर्ण खनाश्चम विरम्भारत्त्र नाश्च शृर्ख भारेरन, दियम क्रांता मुरा आंगिजा ह्न- এ উভय मधा भूछक रम । कथन थांखन क्रियांत्र भूटर्स आंगिया উভय विश्वित्र रहेशा, कर्यांति बाहा रूप, रयमन नहीं हिथा यारेरज्ञ । रहांत्र विरम्ध विषद्धन १२ भूट्छे कर्यांति वाहा भुकत्रत्त ह्मित्र ।

য শুভ কর্মণি বাচ্য পুত্য সকল যাহার শেষে তকার বিষয়া তব্য থাকে, তাহা গৌড়ীয় ভাষাতে গুণ প্রক বিশে-বণের দ্যায়ব্যবহারে আইনে, যেমন হতবৃদ্ধি,বস্ত ব্য কর্ম। সেইৰূপ যাহার শেষে ' অদীয়' কিয়া ' য়'থাকে, যেমন হানীয়া দেয় ইত্যাধি।

ষে সকল ক্রিয়াপেক ক্রিয়াত্মক বিশেষণ যাহার শেষে
• আ * কিয়া ' ওঁয়া ' না থাকে তাহা গৌড়ীয় ভাষাতে চারি
শ্রার হয়, যেমন নারিভে,করত,মারিয়া,দেখিলে।

এই চারি পুকার কর্বাচ্য পুত্যমের মধ্যে পুথদ পুরুষ, 'ইতে' পর্যাবদানক্য ইহাকে কর্ত্মিত বর্তনান কবি, বেংহত ইহার ক্রিয়ার কাল পার এ যে ক্রিয়ার বাপেক হয়, তাহার কালের সহিত সমাস কাল হয়, যেমন
রাম তাহাকে ভূমির উপর পড়িতে দেখিলেন, অর্থাৎ দেখন
ক্রিয়ার ও পড়ন ফ্রিয়ার কাল একই হয়। ইহা যখন
পুনরুক্ত হয় তখন ফ্রিয়ার পৌনঃ পুন্য কিয়া আভিশব্যকে পুতীতি করে, যেমন সে আপন শক্রকে নারিছেই
নগরে পুবেশ করিল, সে চলিতেই মৃতপুায় হইল, কিন্তু
লিপিতে ইহার পুযোগকে সাধু পুয়োগ জানেন না।

করা যে নাম খাতু ভাহার আভাগ ছানে 'অভ ' সমানার্থ হয়, যেমন ভিনি শক্তকে পুহার করত বাহিরে গেলেন, অর্থাৎ তিনি শক্তকে পুছার করিতেই বাহিরে গেলেন। এবিতীয় পুকার কর্নিষ্ঠ বর্ত্নান হয় এবং পরে যে ক্রিয়ার সহিত ইহার অনুয় হয় তাহার কর্ডটি है हात्र कर्का इहेन्ना थार्क, अर्थाय शूर्क উদाहत्रत्व (भारतन 🗆 জিয়ার বে কন্তা সেই পুছার করত ইহার ও কর্তা হয়, चांत्र चनिष्ठम म्यारशत मात्र, याहा शृत्व त्मश् গিয়াছে, ইহার পূর্বে স্বাদা বিভক্তি রহিত কোন শব্দ থাকে যাহা ঐ উবাহরণে পুহার পদ বিভক্তি রহিত রহিয়াছে किछ त्य कर्न्स् वर्ष्यात्मन देखा भर्यात्मान इत् ভাহার পরের ক্রিয়ার সহিত এক কত্ত্তির সর্বদা নিয়স ্ৰাই, হেমন তিনি তথায় না যাইতে আমি বাইব ৷

ভার প্তার নামার হিন্ধ বারা বর্ণান্ত হয়। আনুষ্ঠ করিব কালের পূর্বে ইহার কালে অভিপুত্ত কর্মার এই জ্বার ও ইহার অনুত ক্রিয়া এ দুরের কর্তা এক হইয়া থাকে, যেমন ভিনি প্নঃ২যুদ্ধ করিয়া নানা ক্রথ পাইয়া শক্রকে, কর করিবেন। এন্টল জয় করিবার ও দুংখ পাইবার কর্তা একছয় এবং জয় করিবার রে কাল তাহার পূর্বে কাল যুদ্ধ করিবার রি দুংখ পাইবার হইল।

চত্তপূকার পূত্যর বাহার 'ইলে' বারা স্থাপন হর-মেনল করিলে, দেখিলে ইত্যাদি ইহাকে দ্রাভাব্য ক্রিয়া ছিলি যে হেল ইহা এক পুকার সংখ্যালন পুকারের পৃতি-লিখি হয় ও ক্রম্পূর্ণ অর্থ বোধের নিমিন্ত ক্রিয়ান্তরকৈ অলেকা করে, যেনল তিনি আমাকে মারিলে আমি নারিব, অর্থাৎ বদি তিনি আমাকে মারেল তবে আমি তাহাঁকে বারিব জিনি মারিলে আনি ভাহাঁকে মারিভান, অর্থাৎ ইনি মানি মারিলে আনি ভাহাঁকে মারিভান। এই প্রিক্রিক চারি প্রকার প্রত্যান্ত্র শব্দ অব্যাহ্য হয় আর ক্রির প্রান্তিতন তবে আমি ভাহাঁকে মারিভান। এই প্রিক্রিক চারি প্রকার প্রত্যান্ত্র শব্দ অব্যাহ্য হয় আর ক্রির প্রান্তিত নাম কর্ত্ব পদ হয় তাহা কথন তৎস্তিভ

THE REAL

थाशत शर्रातमान एक छात्रात कर्ष ग्रह कथन वा शृर्य चिक करत रयमन छात्रीरक माजिएक कि प्रमान

করু নিও বর্ত্তমান বাহার পর্যবসাল ইতে ইনাজে হয় এবং জন্ত বাহার পর্যবসাল ইয়া ইহাতে হয়, এবং সজাব্য ক্রিয়া বাহার পর্যবসাল ইলে ইহাতে হয়, এ তিন অকর্মক ক্রিয়া হইতেও নিঃস্ত হয় নেন্দ্র ভাইতে, শুইয়া, শুইলে, স্তরাং পূর্মাত ইহারা অব্যন্ত হয়।

পূর্ব পরিচেত্রে ক্রিয়া প্রকাশে যে উদাহরণ দেওয়া গিয়াছে তথ্যারা বিদিত হইবেক যে ঐ চারি প্রকাশ প্রত্যান্ত পদ তাবং ক্রিয়া হইতে রচিত হইয়া থাকে প্রত্যব অকর্মক ক্রিয়া হইতে যাহা নিঃস্ত হয় তাহাকে প্রকর্মক কহি আর সকর্মক ক্রিয়া হইতে যাহা উৎপন্ন হয় তাহাকে সক্র্মক কহি যেমন তিনি শুইলে, আমি,শুইব, এ স্থান কানিয়া শুরু হইলান।

লংক্ত ক্দস্ত থাকা 'ভা' কিয়া 'ভাক' অথবা 'অন' ইহাতে পৰ্য্যবসান হয় যেমন দাড়া, সেবক, ভোজন ইভ্যাহি ৷ তাকা গৌড়ায় ভাষাতে বাহুল্যবেশ ব্যবহারে আনিয়া পাকে ৷



ne officer !

किष्यभेत्र जिल्लासन।

বাক্যের শত্রুত কোন্ই বিশেবণের লবস্থা যাছার বারী ব্যক্তহন ভাছাকে বিশেষণীয় বিশেষণ কহি, নেই বিশেষণ গুণাত্মক কিয়া জিন্নাত্মক অথবা কৃদন্ত কথন বা বিশেষণীয় বিশেষণ হইয়া থাকে। যেমন তিনি অত্যন্ত কুলু হন, তিনি শীঘু ঘাইতৈছেন, তিনি তথান কটিতি বাইয়া প্রৱায় আইজেন, তিনি অত্যন্ত শীঘ্ গেলেন।

, विस्मिनीय विस्मिन नकल श्रीय है जराय हम, कि ख काम विस्मिन कर्य ज्ञांभारत निम्नित राजहात का है लि, छहात भेरत हैं किया ' ७ हमात में र्याण महिता थारक क्षिन का क्षिन श्रीय क्षिय क्षिया मृद्ध थाकूक के भर्य काहितन मा, क्षिय भूक्ष कामा मृद्ध थाकूक के भर्य काहितन मा।

গৌড়ীয় ভাষাতে ক তিপয় শব্দ এৰপ হয় যে কখন বিশেষণীয় বিশেষণৰাপে প্ৰয়োগে আইনে, কখন গুণাজক বিশেষণৰাপ কখন বা বিশিষ্যেরন্যায় ব্যবহার করা যায়, ধ্ৰমন প্রোমার ঘাইবার পূর্ব ডিনি আনিয়াছেন, এবাকে। পূর্বী শব্দ বিশেষণীয় বিশেষণ হটল, পূর্মবৃত্তান্ত শুনিয়াছি। প্রাণ বাক্যে পূর্বা শব্দ কেবল বিশেষণ হট্যাছে।

54

পরের গণিত শব্দ সকল যাহা প্রায় ভূরি প্রয়েটিশ আইসে তাহা সকল বিশেষণীয় বিশেষণ হয়, তাহার উদাহরণ ও এই ছলে ভূরি কেওয়া যাইতেছে ৷ একবার্ক (यमन এक वाक्क ए ७, व्यर्श थान किये व अकावृद्धि वूंसान्त्र) এইৰূপ দুইবার তিনবার ই চ্যাদি, একেবারে, যেমন সকল **बहकवादत्र (ए.७, व्यर्था २ (ए.स. वज्जतः नाकन्य) दक् अवः नकृत्य-**বৃত্তিকে বুঝায়, এইৰূপ দৃইবারে তিনবারে ইত্যাদি ৷ কার্ছ, भूनः २, षात्रवात, शनकात, शूनद्वात्र, अहे मकल भक् धात्र क्रार्थ इस् । প্রথমে, यেगन ভাহাকৈ প্রথমে দেও, লেমে, ग्र्यामाय, रामन अम्डान नर्वाभाष क्रीयहाए । माध्य মাঝে, দুই একার্থ, ক্রমে, ক্রমেই, অপেই যেমন তিনি क्रायर माज्य द्वाचा अन् कतित्वन। धीरत अथना धीरतरव्यक्ति मूहे এकार्थ,सम्पर्यमन राष्ट्रं मन्दर वहिद् छ । भीतु, जन्मन, বেগে, পান একার্থশক হয়। অতি, অভিশন্ধ, অভ্যন্ত, অভি राष, धमकन नक छरवत किया किया व चार व कार व करह, देशता खना विस्मानीय विस्मान मास्कृत मास्कित

(कोबीय कत्रकार्भ

बाईरलंदन, पविश्वीत स्थानीतरण्ड, पविश्वाक परास বাহু, অতিশন্ন শ্ৰেষ, এমংখনে অতি প্ৰভৃতি বিশেষণীয় विरामपुन तकन छना यक विरामयन भारकत नाम अयुक्त रहा बिया, जात बयात, त्मथात, मथात, ख्यात, त्यमन जूमि वधान शक्तिरवं, जानि छथात्र थाकिन, कथन छथात्र हेरा হয়, বেমন বধার তুমি বাইবে, আনি বাইব, অর্থাক ख्यात्र चात्रि गहित। यथा उथा, खथना त्यथा त्यथा, ক্রুন অলোরৰ স্থানকেও বুকায়, যেমন ইকা বিশিক্ত ্ৰেইকেব্ৰ কৰ্ত্তব্য নহে, যে যথা তথা গমন করেন। কোথা ক্রমানার, ইহার প্রয়োগ প্রমে হয়, যেমন কোথায় **বিষ্যুছিলে, এখানে, এথা**য়_{ু দু}ই সমানার্থ সেইৰপ বেখানে ৰথায় ও নেখানে তথায় ইছা ও বনানার্থ হয়। প্রথানে অনতিদুর স্থানেতে বুঝায়।

দূরে, নিকট, নিকটে, সমুখে আগে, সাক্ষাতে,
ভাষ্টাৎ, পশ্চাতে, পাছে, পাছে, পাছে অমুনারে ইত্যাদি
পদ্দ সকল কোন এক পূর্বের যহন্তে নামের অপেকা করে,
বেমন ব্লানের নিকট যাও, তালার পশ্চাতে চলিল ইত্যাদি
ক্রিয়, এখন, আজি, পূর্বা, শুরো, পায়, পরে, কালি, কল্যা,
প্রের্গ প্রভাতে শ্রন্থনে, ল্যানে, ভারেন প্রাচ্ছে, বৈকালে,

काद्य, ब्राबिटक, ब्राविकारस, निवारक विवासारम, विवरन, मुद्धारक्ष, मात्र्रकारण, विलात्र, श्राफ्तिम, श्राफिनश्चारक्ष क्षांतिमात्र, शक्तियं, नमा, नखमा, नखमा, रेज्यां अस मुकन काल बाहक विस्मयनीय विस्मयन इय प्रकार অর্থাৎ কোন এক সময় ইহার প্রয়োগ প্রায় অভাবেক্স **শহিত হয় যেমন কলাচ দিবনা ইত্যাদি, আর ক্লাচিৎ** অর্থাৎ কোন এক অপ্প সময়, যেমন কদাচিৎ একপ ইয় ইত্যাদি। যাবৎ, যেপৰ্যন্ত, তাবৎ, সেপর্যন্ত। কোন বিশেষ্য শব্দের পূর্বে ফাৰ্ড কিয়া তাব্ধ শব্দ থাকিলে: সমুদায় বাচক হয় সুতরাপ গুণাত্মক বিশেষণ শব্দের ন্যায় ব্যবহৃত হয়, যেমন যাবিৎ বস্ত এ সংসারে দেখি সকল मधत, তাবৎ মনুষ্য দুঃখভাগী হন, १ यथन এশকের নিয়ত ভ্ৰমন শব্দহর, যেমন তুমি যখন ঘট্যা, তখন चानि याहेन, करन चर्थार क्रीन निवन, कथन चर्थार (कान नुमग्न, नक्तन श्राम वावस्य रग्न, ज्राव भक्त न॰ या-জন প্রকারে পরের ক্রিয়ার সহিত পায় আসিয়া থাকে रेशत विवत्र भृत्य जाइ।

যার ইহার নিয়ত তত শক্ষ হয় ৷ এত, কত, কেন, আয়ে, যেমন, কেমন, ইত্যাদি শক্ষ এই প্রকরণে গণা যায় ৷ যেমন ইহার নিয়ত তেমন শক্ষ হয়, এমন অর্থাৎ

लोहीय राष्ट्रां

श्रिकात कर्या कर्या क्रियुकां है, रवमन रक्षमन कारहण, क्रिया क्रियम मन्द्रा इस, रक्ष्यरम अर्था क्रियुकारत , रवमन रक्ष्यरम् काहारक शाहेव।

জিছু, অধিক, যথেক, না, নাই, নহে, হঠাৎ দৈবাৎ
আক্ষাৎ, বৃষি, ভাল, মথার্থ, হাঁন বটে, পদ্মপার, পরস্পানীয়া, অধিকত্ত, পূর্বাপের এ সকল শব্দও এপ্রকল্পে গণনা করাযায়, গুণনাচক পান্ধর পরে 'পূর্বাক' ইহার প্রয়োগ ছারা বিশেষণীয় বিশেষণের তাৎপর্য্য অনেক' হানে ব্যক্ত করাষার, ষেমন তিনি ধৈর্যপূর্বাক যুদ্ধ করিলেন, বিচক্ষণ-ভাপুর্বাক আপান পরিবারের প্রতিপালন করিতেছেন।

বেংশক থান ইহাতে পর্যবসান হয় যেমন সেখান আর তথা, যথা, ইত্যাদি৷ যেংশকের খন ইহাতে পর্যবসান হয় যেমন এখন, তখন, ইত্যাদি, এবং পূর্ব, কল্য, কালি প্রখ, আজি, আপন, এসকলের পারে সম্বা বোধের দিনিত কার প্রত্যে ইইয়া পাকে, যেমন ক্রেখানকার স্মাচার, তথাকার বৃত্যন্ত এখনকার মনুষ্য ৷



मध्य श्रीतरक्त । मध्यीय विस्थान ।

কেশক অন্য শক্ষের পূর্বেবা পরে উচিত্র মতে ক্রিক্ত হইলে ভাহার সহিত অন্য নাম কিয়া ক্রিয়ায় সমুদ্ধকে বোধ করায় ভাহাকে সমুদ্ধীয় বিশেষণ কহি।

বেমন দে নগর হইতে গেল এন্থলে নগরের সহিত্র গমনের সম্বদ্ধ ব্যাইল, অর্থাৎ গমনের আরম্ভ নগর অর্থাই হয়। রাসহইতে রাজা পত্র পাইলেন এন্থলে 'হইতে' এইসম্বদ্ধীয় বিশেষণ পত্রের সহিত রামের সম্বদ্ধ ব্যাই-লেক অর্থাৎ রামের লিখিত অথবা প্রন্থাপিত পত্রছিল। রামের প্রতি তিনি ক্রুদ্ধ আছেন, এন্থলে প্রতি এই সম্বদ্ধীয় বিশেষণ রামের সহিত কোধের সম্বদ্ধ দেখাইলেক অর্থাৎ রামের উদ্দেশে ক্রোধ-ছইরাছে। সহিত, এইশন্দ একের ললে অগরের একত্র হওনকে ব্যায় আর পূর্যের সংজ্ঞাকে কিয়া প্রতি সংজ্ঞাকে ষ্ঠান্ত ক্রায় যেমন দুঝের সহিত জল মিশ্রিত করিয়াছে, আমার সহিত আইস।

विना, गहिए इ विभन्नी वार्थाक करह, वर्था ६ मूहे यस व कक देशन व कावरक व्यास, ज्यान हेह में भूर कर् भक्त कर्जु भविष्ट इस स्थानन धर्मिन। जीवन वृथा हस है विनि विना कि स्का के दिखा भारता

(गार्थाम केंगकार्य

্ছইতে প্ৰেক পাৰ্কাহৰ পুৰোগহয় বিও লেপাৰ্ক্য কখন লক্ষ্য হয়, ইংক্স পূৰ্বে বে শব্দ তাছ। ইইতে পাৰ্থক্য বুবায় এবং নে শব্দ কৰ্ত্ পাদের ন্যায় ইয়, বেমন বৃক্ত ইতে পত্ৰ পাউতেছে ভোলাইতে কেই ক্ট পায়না। তিনি ঘর্থেকে বাহিরে পেলেদ কখন ক্স সম্মাকে ব্যায়, যেমন কৃত্তকায় হইছে ঘট লয়ে, কৰা অপিক্ষাক্ত নুলে অৰ্থ ব্যায়, যেমন রাম হইতে

हाता असे कर्रावद्य वर्ष विश्व हर्म आत हेराई भृत्य ते भक्त भार ये छाड़ हर्म, यंसन हरखत हाता जिनि सातित्वन, पिया ७ भक्त हातात ममानार्थ हर्म किछ हेराई भृतित नाम कर्ज् भाषत नाम ह्या विश्व विश्वनी

প্রতি শব্দ কর্মের অর্থ বোধক হয় এবং বাহারী কাহিত ইহার সম্বন্ধ অভিপ্রেত হর, তাহার প্রয়োগ বঠান্ত কুইয়া থাকে ফেনন ভিনিরোমের পুতি দয়া করেন।

्रशास विश्व देनेक्ट्रें। (वाश्व हेन्न, विश्व के देनक्ट्रें) क्षेत्रक वाश्व विश्व हहेन्न। श्रीःक, देनेनन न्नात्मन शास्त्र क्षेत्रक क्षित्वन, श्रीहरूत शास्त्र कीन (क्षेत्रन) कि क्षेत्रक क्षेत्रक, क्षेत्र कार्यन क्षेत्रक शुक्का हेन्न, अत्र

HA

যাহার উদ্বাধ নিবন্দির হয় শে বঠাত হইয়া থাকে, থেমন পর্মতের উপর গৃহ নির্মাণ করিলেন, ভোনার উপর একশত টাকা হইরাছে।

'হইতে ' এবং ' কত্ক' এই দুইলকের যোগে আনি ছালে আনা, তুনি হালে ভোমা, সে ছালে ভারে, এ ছালে ইহা, ও ছালে উহা, যে ছালে যাহা, কে ছালে কাহা, আদেশ হইয়া থাকে, যেলন আমাহইতে, ভোমাহহতে, আমাকত্কি, ভোমাকত্কি, ইত্যাদি।

কিন্ত প্রতি এই সম্বন্ধীয় বিশেষণের পূর্বের এ সকল আদেশ বিকল্পে হয়, যেমন আমাপুতি, তোমাপুতি, আমারপুতি, তোমারপুতি, ইত্যাদি।

পূর্বেক্তি সম্বন্ধীয় বিশেষণ সকল অব্যর হয়, কিন্তু নীচে মধ্যে জনে উপরে ভিতরে উচ্চে ইন্ড্যাদি কতিপয় শব্দ যদিও অধিকরণ পদের ন্যায় দৃষ্ট হই-তেছে, তথাপি ইপরাক্ষী বৈষাকরণদের মতে এসকলও সম্বন্ধীয় বিশেষণের মধ্যে গণিত হয়, যেমন পৃথিবীর নীচে কলে সর্বাদ্য পাওরা যায়, তিনি সকলের উচ্চে ক্ষিতিকরেন, ভোমাদের মধ্যে নীতি ভাল, স্পারের মধ্যে অনেক পুকার বন্তু দেখাযায়, ভোমার ক্লেন্ড আমি ভালার অপ্যান্ধীয় করিলান, বৃক্ষের উপরে, মরের ভিতরে। কর্মন

AND THE PLANT

্রান্তির দশক্ষিকুর বিষয়কুরার মনেইছির কাইবে ছব-কাহল পুনাক্ষিত্র বিশেষক ভাগে রল্ডার, বিজেন্ড ভাগের লহিত পুরোগহর, বঁথা নীত ভূমি, উক্ত ভাগ, ইড্যামি ই

गरम, मृश्य, वेशारमंत्र गाविका जर्ष भुरमास्त्रम, जात वाक्तिका, वाक्तिरहरू, वेशाता विना अवे जर्ष भुरमाश्रम, इपेसन कामाक्षित्रका, या, क्ष्मात गावि, यावेय, वाक्ष्म वाक्तिरहरू, या, वाज्य शाविद्यक व्यक्ति जर्ष कारनना वेशावि ।



विमाण भन् निद्वार एक अव कार्यत कार्यितः पूकाल अर्थाव विरायम कार्यक विश्व कार्यातः। काम काम चरण अर्थनर्भ व्यान स्टरमान मूर्वार्थादे गुजोकि एक, विमान मृद्धि, सुगृहिः।

উপসর্বের জানাথীন কোন্থ দৃদ্ উপদর্গ বাহম দির্ঘ হর ইহার জান অনায়ানে হইতে পারে এনি মি উলিন্দি দর্বের গণনা করা. যাইতেছে, ১ পু, বেনদ পুলান ইক্যামি ২ পরা, পরামন্তিভামি, ৩ অপ, অপকর্ম ইভ্যামি, ৪ মন্দ্র হত্যামি, ৫ নি, নিরম ইভ্যামি, ৬ অব, অবকান্দ ইভ্যামি, ৭ অনু, অনুমজ্ ইক্যামি, ৮ নির, নিরম্ম ইভ্যামি, ১ দূর, দূর্গন দূরস্ত ইভ্যামি, ১০বি, বিপদ বিষ্মায় ইভ্যামি, ১১ অবি, অমিপতি, ১২ সু, সুকত ইভ্যামি ১৩উৎ ইভ্যুক্ত, ১৪ পরি, পরিচয় ইভ্যামি, ১৫ পুজি, পুতিকার ইভ্যামি, ১৬ অভি, অভিধান ইভ্যামি, ১১ অভি, অভিধান ইভ্যামি, ১১ অভি, অভিধান ইভ্যামি, ১৯ অভি, আভিয়ামি,

ট্ৰিয়ার অন্তর্গত ক্ট্য়াএদুয়ের ভাষ ৰ্কী নাহিত্যা <u>ৰৌ</u>শ করার কথন বা তে বিমতে হইয়া এক ক্রিয়াতে ঐ ট্লেৰ্ক বোধ ক্যায় ভাষ্তে সমুক্ষয়াৰ্থ বিবীকৈ বিক্লা বৈশন বীম এ নগরে বাল করিবেন যদি প্লাইন্ট্র থার্ক্তিক কেথেন। রাম নগরে গেলেন কিন্তু শ্যাম **ভাষার সক্রে গেলেন ম্। । রাম ও শ্যাম উ**ভরে বিজ্ঞ হ্রেন, ক্ষান্ধ, বদি 'শিন্দের ছারা সাহিত্য' কিন্তু 'পদ্দের ছারা পাৰ্থ্য 'ও শবের ছালা সমতারপে ক্রিয়াসনুস্ক ব্রাইল ! 🗚 গৌড়ীয় ভাষাতে সমৃচ্চয়ার্থ বিশেষণ শব্দ সকল অব্যয় ্রম্ম ভাষ্কার পণন। করা যাইভেছে, এবং (১২ শক্ষের পদ্মেদের নিশ্চয় হঠাৎ বোধ না হয় তাহার উদাইরুণ্ড (मण्या कार्देशकरह।

এবৰ যদি, যদ্যপি, ভরে, যে, যেনন ভিলি কহি-লেল যে ভোলার সহিত তাঁহার শক্রতা দহে। যেহেন্ত, ক্রেনা, ক্রেন্ড ক্রেন্ড, একারণ, এনিবিন্তে, ও, আর, ক্রিন্ত, ব্যান কর্ম আনি, ক্রেন্ড্রার্ড ক্রিন্ড, তথাপি ভেরাপি ভর্ সমুক্ত রাজ্যে

59

शांकियन। 'यहां शिक्ष, त्यसम समाशिक यात्राम आविन्य सामा हन। किया, अथवा, ता, आविन्य आवि शांकि शांकि वा मा यान, हेणांकि। आवि जांकि यादिन मा यान, हेणांकि। आवि जांकि यादिन मा, येरिज (यहांशिक) किम निमञ्जन कियादिन, हेणांकि इतन अविकारिकार्धि यस। निक्ष, यदिक हेश्रा श्रीकार्थि हैं स्वा श्रीकार्थिकार्धि यस। निक्ष, यदिक हेश्रा श्रीकार्थिकार्धिकारिकार्धिकारिकार्धिकार्धिकार्धिकार्धिकार्धिकार्धिकार्धिकार्धिकार्धिकार्धिकार्धिकार्धिकार्यार्थिकारिकार्धिकार्धिकार्यार्थिकार्धिकार्धिकार्धिकार्धिकार्धिकार्यार्थिकारिकारिकार्यार्थि

शृटकां क ममुक्तमार्थ विष्यपन मकल श्राप्तमञ्ज व्यवह त्वार्थ श्यक्त इस । त्क्यम, अवन, आते, ७, किए, इसाम भाषक्रमात अथवा भाषक्रमात अनुब बोर्थ वावशास आहेरम পুথ্যের উদাহরণ, আমি পড়িতেছি এবং আমার ভূজি পড়িতেহেন, ছিতীয়ের উদাহরণ, আমি আর আমার ভুতা পড়িতেছি। তিনি থাকিবেন, কিয়া আনি থাকিব, স্বামি অথবা তিনি থাকিবেন। 'ও' ষখন সমুদ্যয়াথে এব অর্থাধিক্য বিষয়ে কোন সংজ্ঞার কিন্তু। পূর্ণত সংজ্ঞার পরে भुगुक्त रहा जथन बना ककराका त्म छेक किश छेश इंडेक তাহার সৃহত অনুয় বোধক হয়, বেমন আমিও যাইব, অৰ্থাৰ তুমি বাইছেছ, এ বাকা উছ হইয়াছে, তুমি বাই-তেছ, আমিও ষাইব, আমাকেও তুল্ছ করিলেক অর্থাৎ देश शूर्व्य बन्ध नेक्वरक कृष्ट् क्रियाहिन, **व्यम बामा**दिक जुक्क क्रिलिक।

रवोगीय राज्याः

444 Mitte 44

त्य स्कल भाग बङ्गेत चलःकः दात्र काराक कथन बाक्षाक्रिक इरेशा कथन वा त्करण चंद्र ठेकाति व इरेशा বোধ স্থায় ভাষাকে অন্তর্ভাব বিলেবণ কহি, যেমন হার আমি অযোগ্য কর্ম করিলান। এপুকার লব, সকল নালা মিই অস্তঃকর্মণের ভাব সকল কহত নানা পুকার হয় ইহার শ্বে ক্তিপয় শয় চিন্তা অপরা বেদলাকে জালায়, যেমন श्वा, जाः, डेः, हेळारि। जात्र करत्रक मन् त्रकात भाषा बाट्ड शुरसाश इस, यथन जोरि, माहाई देउडामि । आहा, क्षात मृहक इस, । हा, (श्रामिक । हि, घृगाविधक, আচ্ছা, বাহ্যা, উত্তম, ইত্যাদি পুশ্পনা সূচক, হাঁ, ইত্যাদি শীকারাথ। ই হাঁ, বাটিতি বারণাথ। মহাভারত, ब्रोबर, अरबाता विषयात गृह है। आम्हर्या, किया महर्या. ইত্যাদি অনুত বোধক। আভিমুখ্য পুৰ্থনাতে ও, হে, গোঁ, ति, त्या, देवापि वावशांत श्रेष्ठा थात्क, याशांक माशांचक বোধক অব্যন্ত শ্বনকছিয়া থাকেন। লো, ইহার প্রোগ जीत्नात्कत नाबाधत्व, ब्यात तत्र हेरात शृह्यात शृक्तरपत्र नरमाथान अनमानार्थ इहेग्रा थारक, त्रा छक्य नत्राथान माबाग्ड बाम्रात भूरताच एक, दह, दक्वव भूकव मरबाधान अया सम समारहत नरवाधरम श्रीक देव अवन रहा हते छ।



नुजारात्र बुवहात्र समा यात्र १ ७, नक्त नावात्र ग्रह्म-धान উक्त हम् अवश्यासाम्बद्ध सूर्य्य नक्षा चाहरमः रयमन ও नहात्राक असूत्रामम् ७ ठाकृत हेन्द्राप्ति ।

किंड उ जिन्न महाशान वाहक मदन निर्देश निर्देश

যদি 'ও' ঐ সংখাধন শক্তির সহিত সংযুক্ত হয় তবে এসকল সংযাধন শক্ত নামের পূর্বেও আসিয়া থাকে, যেমন ওছে ভাই, ও গো পণ্ডিত, এলো মাগি, ওরে ভ্তা। ঐ সকল সংয়াধন শক্ত ও ইছার পূর্বেবৎ সংযুক্ত হইলে ক্ষান্থ বিষয় বিক্যাদির অপেকা করে না, কিন্তু সংযাধা প্তাক্ষ থাকিলে একণ প্রেটি ইয় থেমন ওছে, ওগো, ওরে, ওলো, । যথন সংযাধ্য পূক্তীয় ক্ষা অভিযান্য হয় তখন 'হে ইছার পূয়োগ প্রী পূর্ব উক্তরের সংযাধ্যে স্থান ক্ষেত্র ম্যায় হইয়া থাকে, যেমন ক্ষান্য, হে লক্ষ্যি, হে মহারাজ ঐশ্বর্যে অক্ত হইওনা।

CHARLE WILLIAM

मुन्तम् शक्तिम् ।

ক্রিয়ার সৃহিত অনিত যে নাম কিয়া পুতি সংজ্ঞান ভাহার শুদ্ধ নালের ন্যায় পুয়োগ হয়, কিঞ্চিৎও বৈলক্ষণ্য থাকে না, ভাহাকে অভিহিত পদ কহি, যেমন রাম যাইছে ছেন।

অভিহত পদের প্রসপুরুষ, বিতীয়পুরুষ, তৃতীয়পুরুষ
ভেষেই ক্রিয়ার ক্লান্তর হইয়া থাকে, লিঙ্গ এবং সংখ্যাতে
কোন বিশেষ নাই, যেমন আমি বাইব, তুমি যাইবে, তিনি
বাইবেন।

वाका भाम विरमया मर्सन अधिरंड भाम चान्न मह्य किन्न यति छनाञ्चक विरमयन भन्न थाएक करव मूछतान काहात भृत्य जानित्वक, जात्र वाक्र लाख नर्यका जिन्ही আসিরা থাকে, কিন্তু বাক্যের অন্য অল্, যেমন ক্রিয়াপেক ক্রিয়াত্মক বিশেষণ ও বিশেষণীয় বিশেষণ এবং সম্বনীয় বিশেষণ ও সমুচ্চয়ার্থ বিশেষণ ও অস্তর্ভার বিশেষণ, ইছা-**एमत ब्लाटना बारकारक रकाम विरमय श्राम निर्मत्र माहे जाहा** मित्र উদাহরণ পূর্ব পরিকেশে যাহা লেখা शिक्षाह उप्-ক্তিতে তাহাদের পুরোগ করিবে, যেমন এক বৃহৎ ব্যাঘ ৰন হইতে গামের মধ্যে রাত্তিকালে পূবেশ করিয়া তথায় শানা উপদূব ভূরিকাল ব্যাপিয়া করিতেছিল পরে এক লাহ্লান্তি মন্য্য সেই পশুর লহিত যুদ্দ করিয়া ভাছাকে नके जिलक रमरे व्यवि शास्त्र लाक सन्हन्दका भूकक **"অাশন**২ কর্ম করিতেছে।

ब পुकात विरागविशेष विरोगविश विश्वन छान, मन्द्र विकासि, छाहाता युक्त छ अयुक्त जिल्लात शुर्व्य विश्वाहरण, विमान म छान ब्लाह्म, देन देश दिली छान शर्छ।

কথনং বাক্য, বিশেষত কুদু বাক্য, অভিহিত পদ ব্যতিরেকেও অন্য পরিণামের পদে আর্রির হয়, যেমন ভাষাকে আদি কদায় ভ্যাগ করিব না। মনুষ্যের চরিত্র

(भौकीय वृगक्त्रक्

খুৰীবাকে সান্য কিছা অমান্য করে, সুনীতি ব্যক্তির বিদ্যা তথ্যভিখোডার কারপ্রভাষ যাহাহইতে লোক নির্বাহের বিশ্ব হয় না সে সুনীতি সমুখ্য হয়।

'ভো' ইহা কথন২ কথোপকথনে এবং কবিতায় অভিহিত পদের অথবা তাহার ক্রিয়ার সহিত স^{*}যুক্ত হয়, ट्यथाटन भूत्याक्रम मिक विषया मत्म इ क्राम वर्षना ক্রিয়াতে নিশ্চয় জানাইবার শভিপায় থাকে, যেমন আনি ন্ধে যাই, অর্থাৎ আমি মাই মৃদ্যপিও কার্য্য নিষ্কির নিশ্চয় মাই! আমিতো করিব অর্থাৎ আমি অবশ্যই করিব बेह्न करत्न वर् न। कःतः। किन्छ অভিহতপদ ভিন্ন অন্য किम लितिशारिक मिक्सिक में के इंडे कि शाब कोन वित्निय वर्ष मृहक रहाना, कथन वा निक्षार्थ वाधक रहा, दिसन ভাহাকে ভো দেখিব, অর্থাৎ ভাহাকে অবশাঃ দেখিব। त्महेब्र करवा गकथाने ७ कविषाय 'का.' हे हा य म॰ स्थान অভাব ঘটিত ক্রিয়ার বাহত কদাচিৎ পুরুক্ত হয় ইংগতে कान वर्षा छात्रत्र (व र भूत्र ना, (यम्न व्यान ना का, चर्शाद चात्रियार ना, चात्र (शतन ना द्वा, चर्थार चानि (श्रातंग ना।

পরে লিখিত বাক্য সকলের ছারা ন্যক্ত হইবেক যে বক্তা ও যাহার পুতি ব্যাযায় এ উল্যের মহাবানুসারে নানাপুকার শক্ত পুৰন্ধ হয়, তাহার মধ্যে যে সকল ভাষাতে পার্থ শক্ত আছে ভাহাদিগকে গৌড়ীয় ভাষাতে হিন্দু স্থানীয় ভাষার দারা পুাপ্ত হওয়া পিয়াছে, যেনন ভ্ত্য অতি মর্যাদা-বান্ পুভূর আদেশ আনিবার নিমিত্ত, এইৰূপ কহিলা থ'কে যেন ভূত্য কিয়া এ পোলাম হাজির আছে হজুর হইতে কি আজাহয়।

পুধান জাতীয় লোককে কোন পুথিনার আকাজ্জার একপ কহিয়া থাকে যে 'জনেক দিবস ঐ পাদ পদ খ্যান ক্ষরিতেছি, ঠাকুরের কৃপাবিনা নিস্তার নাই ৷

প্রধান মনুষ্ঠকে সাপেক ব্যক্তি এইরপ কহিয়া। থাকে যে এ পরিজন মহাশদ্যের অনেক ভরসা রাখে।

মহাশয় এবং আপনি তুল্য মর্যাদাবান বিশিষ্ট লোকেরা গরস্পার কহিয়া থাকেন, এ দুই শব্দের সহিত ভূতীর পুরুষের ক্রিয়া প্রয়োগ ছইয়া থাকে যাহা ৪১ পৃষ্টে বিশিয়াছি, মহাশয় কিয়া আপনি কি করিতেছেন।

অপেন হইতে কনিষ্ঠ ব্যক্তির প্রতি তুমি পদ প্রয়োগ করিয়া থাকেন এবং কথনং সমান ব্যক্তির প্রতি ও পার-শার অধিক স্থ্যতা থাবিলে প্রয়োগহয়, যেনন তুমি শার প্রস্তু করিয়াছ।

मगा थ।